रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

शुक्रवार
17 जुलाई -2026
वर्ष 10, अंक 313
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

पेज-8

संक्षिप्त समाचार

ममता बनर्जी को एक और झटका

● टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बताया जाता है कि उन्होंने अपना इस्तीफा

राज्यसभा के सभापति को सौंप दिया है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने इस सिलसिले में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया है। कोयल मल्लिक के इस्तीफे के बाद राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों की संख्या घटकर 9 रह गई है।

अप्रैल में ही टीएमसी ने भेजा था राज्यसभा- कोयल मल्लिक टीएमसी की राज्यसभा सांसद थीं और पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने उन्हें इसी साल अप्रैल महीने में ही राज्यसभा भेजा था। लेकिन कुछ महीनों के अंदर ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

पीएम मोदी आज भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब को देंगे 25 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वो करीब 25 हजार

करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री जींद रेलवे स्टेशन पर जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद पीएम चंडीगढ़ जाएंगे, जहां दोपहर करीब 1:45 बजे वो 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री जालंधर पहुंचेंगे, जहां वो 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

प.बंगाल में तांत्रिक प्रेमी के लिए पति की बलि

पत्नी समेत पांच गिरफ्तार

सिलीगुड़ी (एजेंसी)। हंसखोवा चाय बागान में मिले सिर कटे शव की गुत्थी को बागडोगरा थाना पुलिस ने दो दिनों में सुलझा दिया है। हत्या के आरोप में पत्नी और उसके तांत्रिक प्रेमी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

सनसनीखेज इस हत्याकांड में अवैध संबंध और अंधविश्वास का एक खौफनाक ताना-बाना सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान इमाम खुआ के रूप में हुई है, जो मूल रूप से बिहार के किशनगंज जिले के पोठिया का रहने वाला था।

क्या इंसानों के पास गिनती का वक्त बचा है?

● एक विवादित थ्योरी ने दुनियाभर में छेड़ी बहस ● जलवायु परिवर्तन, एआई जैसे खतरों से चर्चा बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणित का वो विवादास्पद तर्क जो यह अनुमान लगाने की कोशिश करता है कि इंसानियत के पास अब कितना वक्त बचा है। ये तर्क एक बार फिर दुनिया का ध्यान खींच रहा है। इससे साइंस के सबसे परेशान करने वाले सवालों में से एक पर बहस छेड़ दी है कि इंसान खब खत्म हो सकते हैं? इस विषय में फिर से दिलचस्पी द मेट्रो की एक रिपोर्ट के बाद जगी है। इस रिपोर्ट में तथाकथित डूम्सडे आर्ग्युमेंट (दुनिया के खत्म होने से जुड़ा तर्क) का जिक्र किया गया था।

यह संभावनाओं पर आधारित एक थ्योरी है, जिसके अनुसार इतिहास में इंसानों की स्थिति को देखते हुए हमारी प्रजाति का अंत कई लोगों की उम्मीद से कहीं जल्दी हो सकता है। यह विचार दशकों से मौजूद है लेकिन इसे लेकर वैज्ञानिकों और दार्शनिकों के बीच मतभेद बने हुए हैं।

किस सिद्धांत पर आधारित है यह थ्योरी?

यह थ्योरी कोपरनिकन सिद्धांत पर आधारित है, जो यह तर्क देता है कि ब्रह्मांड या इतिहास में इंसानों की कोई खास या अनोखी जगह नहीं है। यह तर्क सबसे पहले एस्ट्रोफिजिसिस्ट ब्रैंडन कार्टर ने पेश किया था और बाद में कॉस्मोलॉजिस्ट जे रिचर्ड गॉट ने आगे बढ़ाया।इसके बजाय यह सांख्यिकीय तर्क का इस्तेमाल करते हुए यह कहता है कि अगर आप खुद को उन सभी इंसानों में से रैंडम तरीके से चुने गए एक इंसान के तौर पर देखें जो कभी भी जीवित रहेंगे।

थ्योरी को लेकर दो फाड़

समर्थकों का कहना है कि यह थ्योरी भविष्य की भविष्यवाणी करने के बजाय संभावनाओं के बारे में सोचने का एक दिलचस्प नजरिया देती है। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि इसकी मान्यताएं बहुत सरल हैं और यह सभ्यता के भविष्य का भरोसेमंद अनुमान नहीं लगा सकती।

क्यों चर्चा में आई यह थ्योरी?

द मेट्रो की रिपोर्ट के अनुसार, यह थ्योरी फिर से चर्चा में आई है क्योंकि क्लाइमेट चेंज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, महामारी और परमाणु संघर्ष जैसे अस्तित्व से जुड़े खतरों में लोगों की दिलचस्पी बढ़ रही है। इन खतरों की वजह से इस बात पर नई बहस शुरू हो गई है कि क्या इंसानियत के सामने ऐसे खतरे हैं जो पहले कभी नहीं देखे गए और जिनका असर लंबे समय तक रहेगा।

थ्योरी को लेकर क्यों है विवाद?

द मेट्रो के अनुसार, यह थ्योरी इसलिए विवादित है क्योंकि यह सीधे फिजिकल सबूत के बजाय प्रोबेबिलिटी के बारे में अंदाजों पर निर्भर करती है। कुछ फिलॉसफर इसे सोचने पर मजबूर करने वाली स्टैटिस्टिकल एक्सरसाइज मानते हैं तो कुछ इसे एक इंटेलेक्चुअल जिज्ञासा मानकर खारिज कर देते हैं जिसमें प्रैक्टिकल फोरकास्टिंग पावर बहुत कम होती है।

सिर्फ रथ नहीं खींचा... जगन्नाथपुर मंदिर के भविष्य की तस्वीर भी खींच गए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

दैनिक अलग पहचान, मुख्य संपादक, अन्नपूर्णा गुप्ता, नई दिल्ली /

रांची। हर साल की तरह इस बार भी जगन्नाथपुर की रथयात्रा में हजारों श्रद्धालु उमड़े थे। कोई भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए आया था, तो कोई रथ की रस्सी खींचने की इच्छा लेकर। चारों तरफ 'जय जगन्नाथ' के जयघोष गूंज रहे थे। लेकिन इस बार रथयात्रा सिर्फ आस्था का पर्व बनकर नहीं रही। सीएम हेमंत सोरेन ने इसी मंच से एक ऐसा ऐलान किया, जिसने श्रद्धालुओं के बीच नई उम्मीद जगा दी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अब जगन्नाथपुर मंदिर को सिर्फ एक ऐतिहासिक धार्मिक स्थल के रूप में नहीं देखा जाएगा। राज्य सरकार इसे ऐसी पहचान दिलाना चाहती है कि दूर-दूर से आने वाले लोग भी इसकी भव्यता और ऐतिहासिक महत्व को महसूस कर सकें। इसी सोच के साथ उन्होंने मंदिर तक जाने वाली सड़क पर भव्य तोरणद्वार बनाने की घोषणा की।

● रथ की रस्सी थामी, फिर लोगों के दिल की बात कही

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जब भगवान जगन्नाथ के रथ तक पहुंचे तो माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो चुका था। पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद उन्होंने रथ की रस्सी थामी और यात्रा की शुरुआत की। जैसे ही रथ आगे बढ़ा, हजारों श्रद्धालु भी उसके पीछे चल पड़े। 'जय-जय जगन्नाथ' के नारों से पूरा जगन्नाथपुर गूंज उठा।

रथयात्रा शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक है। इस परंपरा को और मजबूत करना सरकार की जिम्मेदारी भी है।

● 'दूर से ही दिखेगा जगन्नाथपुर मंदिर'

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार बाहर से आने वाले लोगों को मंदिर की भव्यता का अंदाजा तब तक नहीं होता, जब तक वे उसके बिल्कुल पास नहीं पहुंच जाते। अब सरकार ऐसी व्यवस्था करेगी कि मंदिर की पहचान दूर से ही हो जाए। उन्होंने घोषणा की कि धुर्वा स्थित जगन्नाथपुर मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर भव्य तोरणद्वार बनाया जाएगा। यह सिर्फ एक प्रवेश द्वार नहीं होगा, बल्कि झारखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बनेगा मुख्यमंत्री ने कहा कि मंदिर की सुंदरता और आसपास के पूरे क्षेत्र को भी बेहतर तरीके से विकसित किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिले।

● सिर्फ मेला नहीं, लोगों की भावनाओं का उत्सव है रथयात्रा

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि जगन्नाथपुर रथयात्रा का इंतजार लोग पूरे साल करते हैं। जिस तरह आज हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं, वह बताता है कि भगवान जगन्नाथ के प्रति लोगों की आस्था कितनी गहरी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की कोशिश होगी कि आने वाले वर्षों में रथयात्रा मेला और अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और भव्य बने। श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलें और यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाए।

● राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

इससे पहले राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और सीएम हेमंत सोरेन ने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की विधिवत पूजा-अर्चना की। दोनों ने झारखंड की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए सभी प्रदेशवासियों को रथयात्रा की शुभकामनाएं दीं।

● सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सीबीएसई से कहा-

9वीं क्लास के स्टूडेंट्स पर नई भाषा का बोझ न डालें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के क्लास 9 लेवल पर तीसरी भाषा को जरूरी बनाने के फैसले पर सवाल उठाया। कोर्ट ने कहा कि इससे बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स पर पढ़ाई का दबाव पड़ता है, जिसे टाला जा सकता है। कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसी कोई भी भाषा क्लास छठी कक्षा से शुरू की जानी चाहिए।जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा, ये बातें इसलिए अहम हैं क्योंकि ये सीबीएसई के क्लास 9 के स्टूडेंट्स के मौजूदा बैच के लिए एक बार की छूट देने के ऐलान के ठीक दो हफ्ते बाद आई हैं, जिसमें उन्हें क्लास 10 की बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा लेने से छूट दी गई है. ऐसा स्कूलों, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स की तरफ से इस पॉलिसी को अचानक लागू करने को लेकर काफी चिंता के बाद किया गया था।जस्टिस नागरत्ना ने ये बातें मद्रास हाई कोर्ट के 2017 के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील की सुनवाई के दौरान कहीं, जिसमें राज्य को हर जिले में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाने में मदद करने का निर्देश दिया गया था। तमिलनाडु ने लगातार इस स्कीम का विरोध किया है,।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी केस

● पुलिस के कब्जे में सभी अहम साक्ष्य

चमोली (एजेंसी)। उत्तराखंड के बदरीनाथ में चढ़ावे और दान की राशि चोरी करने के मामले की जांच अब निर्णायक चरण में पहुंचती नजर आ रही है। मामले की जांच कर रही पुलिस ने मंदिर समिति द्वारा उपलब्ध

कराए गए सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों को अपने कब्जे में सुरक्षित कर लिया है। इनमें 18 पन्नों की आंतरिक जांच रिपोर्ट और विभिन्न तिथियों की सीसीटीवी फुटेज भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार पुलिस को 22 जून, 25 जून, 29 जून और 2 जुलाई की सीसीटीवी फुटेज प्राप्त हुई है। जांच के दौरान कुछ ऐसे लोग भी फुटेज में दिखाई दिए हैं, जिन्हें पुलिस ने संदिग्ध मानते हुए उनकी पहचान कर ली है।

चोरी के माल में हिस्सा लेता था जेल वॉर्डर!

● तेलंगाना पुलिस ने किया सनसनीखेज खुलासा

हैदराबाद (एजेंसी)। सिद्दिपेट और निजामाबाद पुलिस ने एक जेल कर्मचारी और एक अपराधी के बीच सांठगांठ का भंडाफोड़ किया है। जेल कर्मचारी पर आरोप है कि उसने आरोपी को जमानत दिलाने में मदद की। इसके बदले चोरी के माल में से अपना हिस्सा मांगा। यह मामला तब सामने आया जब पुलिस ने चोरियों के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। जांच के दौरान, आरोपी ने निजामाबाद सेंट्रल जेल में तैनात एक वॉर्डर की मिलीभगत का खुलासा किया। सिद्दिपेट की पुलिस कमिश्नर रश्मि पेरुमल और एडिशनल डीसीपी कुशालकर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि चिक्कुडु भिक्षापति नाम का व्यक्ति सिद्दिपेट जिले के तोगुटा मंडल के लिंगमपेट गांव का रहने वाला है।

सोनिया गांधी के घर पर बैठक के बाद बड़ा ऐलान

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस

● मानसून सत्र में राम मंदिर, पेपर लीक और एथेनॉल के मुद्दे पर सरकार को घेरेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को निर्णय लिया कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी अनियमितता, पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी, एथेनॉल, परिसीमन से जुड़े विषय तथा कई अन्य मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगी। पार्टी का यह भी कहना है कि वह इस सत्र में विदेश नीति के अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग

(ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े विषय को भी प्रमुखता से उठाएगी। इसी क्रम में पार्टी की संसदीय रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास '10, जनपथ' पर एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

रांची पुलिस की मीडिया से अपीलः

जांच पूरी होने तक संवेदनशील खबरें न चलाएं

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ, झारखंड प्रदेश। रांची अपराध की बड़ी घटनाओं की सूचना सबसे पहले मीडिया ही आम जनता तक पहुंचाता है। लेकिन कई बार जल्दबाजी में प्रसारित खबरें पुलिस की जांच में बाधा बन जाती हैं। इसी को लेकर रांची पुलिस ने गुरुवार को मीडिया संस्थानों से अपील की है। पुलिस ने कहा कि किसी भी आपराधिक मामले में जांच पूरी होने से पहले संवेदनशील और अपुष्ट जानकारी प्रसारित न की जाए। इससे जांच प्रभावित होती है और आरोपी सतर्क होकर बच निकलने का प्रयास कर सकते हैं।

रांची पुलिस ने स्पष्ट किया कि वह मीडिया की स्वतंत्रता और सामाजिक जागरूकता में उसकी भूमिका का सम्मान करती है। अपराध नियंत्रण में मीडिया सदैव पुलिस का सहयोगी रहा है। परंतु हाल में यह देखा गया है कि जांच के दौरान पुलिस की आगे की कार्रवाई, संदिग्धों के नाम, छापेमारी की योजना और बरामद साक्ष्यों जैसी गोपनीय

जानकारी सार्वजनिक कर दी जा रही है। पुलिस के अनुसार ऐसी खबरों से आरोपी फरार हो सकते हैं, मोबाइल और डिजिटल साक्ष्य मिटा सकते हैं तथा गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। इससे महीनों की मेहनत व्यर्थ हो जाती है। साथ ही गवाहों की पहचान उजागर होने पर उनकी सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ जाता है।

रांची पुलिस ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया से अनुरोध किया है कि जांच पूर्ण होने तक ऐसी जानकारी का प्रसारण न करें जिससे पुलिस की कार्रवाई बाधित हो।

पुलिस ने आश्वासन दिया कि समय-समय पर आधिकारिक माध्यमों से प्रमाणित जानकारी मीडिया को दी जाती रहेगी। पुलिस ने कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी पुलिस और मीडिया दोनों की है। दोनों यदि जिम्मेदारी से कार्य करें तो कानून व्यवस्था और जनता का विश्वास मजबूत होगा।

राम मंदिर से चढ़ावा चोरी होने के प्रकरण में बड़ा एक्शन

सौ से अधिक कर्मियों की हो सकती है छुट्टी

अयोध्या (एजेंसी)। राम मंदिर चढ़ावा से चोरी की एसआईटी जांच की आंच में अभी कई और के हाथ झुलस सकते हैं। जांच एजेंसी के रडार पर सौ से अधिक कर्मचारी व ट्रस्ट से जुड़े लोग थे, जिनकी कभी भी सेवा समाप्त हो सकती है।

राम मंदिर से चढ़ावा चोरी होने के बाद इसमें कई से पूछताछ भी हुई। एसआईटी की विस्तृत रिपोर्ट व पुलिस जांच में यदि इसमें से किसी की भूमिका संदिग्ध पाई गई तो उसे और भी दंड मिल सकता है। जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है। हालांकि इस पर न तो जांच एजेंसी कुछ बोल रही और न ही ट्रस्टी।

दरअसल मंदिर में ट्रस्ट से जुड़े कर्मचारियों के अलावा कई सेवा प्रदाता एजेंसी के माध्यम से यहां तैनात हैं। इनमें से भी एसआईएस व बीपीआइएस एजेंसी के पास सुरक्षा, कार्यालीय कार्य, लाकर व अन्य सेफ्टी का जिम्मा हैं। की तैनाती बीबीजी नाम की एजेंसी ने की है। यूनी प्वाइंट ने भी कर्मचारियों को रखा है। रडार पर आने वाले कर्मचारी इन्हीं एजेंसियों से संबंधित हैं। अधिकांश तो निष्प्रयोज्य हैं।

संक्षिप्त समाचार

लापता युवक का कोयल नदी में दफन मिला शव, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप

पलामू, एजेंसी। जिले के उंटारी रोड थाना क्षेत्र में लापता युवक का शव कोयल नदी से बरामद हुआ है। युवक का शव नदी में दफना दिया गया था। पूरे मामले में परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए पुलिस अधिकारियों को कई बातों की जानकारी दी है। मृतक की पहचान उंटारी रोड थाना क्षेत्र के रहने वाले सचिन कुमार साहू के रूप में हुई है। बताया जाता है कि सचिन कुमार साहू मंगलवार की रात से घर से लापता थे। परिजनों ने लापता सचिन कुमार साहू की खोजबीन का काफी प्रयास किया था, लेकिन उसका कुछ नहीं पत चल सका। इस बीच बुधवार को कुछ लोगों ने कोयल नदी के पास बालू में दबा एक गमछा देखा। जिस पर ग्रामीणों को शव होने की आशंका हुई। मामले की जानकारी मिलने के बाद सचिन के परिजन भी मौके पर पहुंचे थे और गमछा से उसकी पहचान की गई। इसके बाद ग्रामीणों और परिजनों ने पूरे मामले की जानकारी उंटारी रोड थाना को दी। उंटारी पुलिस ने दंडाधिकारी की मौजूदगी में सचिन कुमार साहू का दफनाया हुआ शव बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले को लेकर बिश्रामपुर के एसडीपीओ चिरंजीवी मंडल ने बताया कि शव को बाहर निकाला गया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन एवं ग्रामीण मौके पर जमा हो गए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग की बड़ी पहल, चुनाव में मीडिया की भूमिका पर नई दिल्ली में जुटेंगे देशभर के मीडियाकर्मी

रांची, एजेंसी। निर्वाचन कार्य में मीडिया की भूमिका पर चुनाव आयोग ने बड़ी पहल करते हुए आगामी 17 जुलाई यानी कल राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस बुलाया है। नई दिल्ली के द्वारका स्थित आईआईआईडीएम सभागार में आयोजित इस कांफ्रेंस को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार संबोधित करेंगे। झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से शामिल हो रहे मीडियाकर्मियों को सर्वप्रथम चुनाव में मीडिया की भूमिका विषय पर (डीजी मीडिया) आशीष गोयल विचार व्यक्त करेंगे। इसके बाद आईआईडीईएम के डीजी राकेश कुमार वर्मा संबोधित करेंगे। सुबह 9 :00 बजे से आयोजित इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस में डॉ सीमा खन्ना डीजी आईटी के द्वारा ई सी आई एन ई टी प्लेटफार्म और चुनाव में टेक्नोलॉजी की भूमिका पर जानकारी दी जाएगी। कानूनी विषयों के जानकारी डीडीजी (लॉ) विजय कुमार पांडे के द्वारा महत्वपूर्ण संवैधानिक कानून और हाल में न्यायालय द्वारा आए जजमेंट की जानकारी दी जाएगी। अपूर्वा कुमार सिंह के द्वारा इलेक्ट्रॉन रोल पोलिंग प्रक्रिया और काउंटिंग प्रक्रिया पर विचार रखे जाएंगे। निर्वाचन कार्य से जुड़ी खबरों का रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को चुनाव आयोग के द्वारा हर पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी। एक दिवसीय इस नेशनल मीडिया कॉन्फ्रेंस को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार करीब 1 घंटे तक संबोधित करेंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त के संबोधन के पश्चात उपस्थित मीडियाकर्मी उनसे सीधा सवाल भी पूछ सकते हैं। इसके लिए 4 :30 बजे अपराह्न से 5 :30 तक प्रश्नोत्तर अवधि रखी गई है। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने इसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे चुनाव कार्य से जुड़ी जानकारी मीडियाकर्मियों को मिलेगी। उन्होंने कहा कि झारखंड से 10 से 12 पत्रकार इसमें शामिल हो रहे हैं।

लातेहार में मिनी ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, दोनों की मौत

लातेहार, एजेंसी। जिले के चंदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रांची–लातेहार मुख्य मार्ग पर शिवटोली के समीप एक अनियंत्रित मिनी ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को कुचल डाला। इस घटना में दोनों युवकों की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। मृतक युवकों में एक की पहचान खलारी निवासी टिंकू भुइयां के रूप में हुई है। जबकि दूसरे की पहचान नहीं हो पाई है। दरअसल, गुरुवार को एक मिनी ट्रक डाल्टनगंज से रांची की ओर जा रहा था। वहीं विपरीत दिशा से बाइक पर सवार दो युवक जा रहे थे। इसी दौरान शिव टोली के पास मिनी ट्रक और बाइक में सीधी टक्कर हो गई। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बाइक पर सवार एक युवक दूर जा गिरा, जबकि दूसरा युवक ट्रक के नीचे दब गया। इस दौरान मिनी ट्रक भी युवकों को बचाने के प्रयास में सड़क किनारे पलट गया। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए अपने स्तर से राहत कार्य शुरू किया और घटना की जानकारी पुलिस को भी दे दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और दोनों युवकों को चंदवा अस्पताल पहुंचाया। जहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। इधर, दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ लग गई। इस कारण सड़क जाम की स्थिति बन गई थी। हालांकि थोड़ी देर बाद यातायात सुचारू हो गया। इस संबंध में डीएसपी संदीप कुमार गुप्ता ने बताया कि घटना के बाद दोनों मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेजा गया है।

बोकारो पुलिस की बड़ी सफलता: अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश, 9 आरोपियों को जेल भेजा

साजिद, राज्य ब्यूरो चीफ, झारखंड प्रदेश/ झारखंड के बोकारो पुलिस ने साइबर अपराध पर प्रभावी प्रहार करते हुए एक बड़े अंतरराज्यीय ठगी गिरोह को सफलतापूर्वक धर दबोचा है। पुलिस की सटीक छापेमारी में गिरोह के 9 सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक नाथु सिंह मीणा ने खुद इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि गुप्त सूचना पर आधारित कार्रवाई में माराफारी थाना और 12 थाना क्षेत्र के बारी को-ऑपरेटिव, रीतूडीह, राजेंद्र नगर सहित आसपास के इलाकों में छापेमारी की गई। इस दौरान साइबर थाना में कांड संख्या 20/2026 दर्ज किया गया। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सिंह सम्राट कुमार विनय (उम्र करीब 22 वर्ष, पुत्र स्व0 विनय सिंह, सेक्टर-03/डी, क्वार्टर नंबर-141/142, थाना बीएस सिटी, बोकारो), निरंजा कुमार (31 वर्ष, पुत्र रमेश राम, ग्राम खाईच डागरपर, थाना बख्तियारपुर, जिला पटना, बिहार), सुदामा कुमार (24 वर्ष, पुत्र सक्लदेव पासवान, ग्राम गुद?द्धि महोबा, थाना बख्तियारपुर, पटना), नितिश कुमार (28 वर्ष, पुत्र सुरेन्द्र राम, ग्राम मिर्जापुर, थाना नवादा), सुबोध कुमार (30 वर्ष, पुत्र सक्लदेव पासवान, ग्राम गुद?द्धी मोहल्ला, थाना बख्तियारपुर, पटना), प्रेमचन्द्र कुमार (27 वर्ष, पुत्र दिलीप पासवान), धर्मराज कुमार (19 वर्ष, पुत्र स्व0 अक्लदेव कुमार, ग्राम दोनों रसुल्मा, थाना पाण्डारक, पटना), ब्रजेश कुमार (24 वर्ष, पुत्र श्रीनिवास पाण्डेय, ग्राम कुमार, थाना सिकंदरा, जिला जमुई) और रवि प्रभाकर (41 वर्ष, पुत्र श्रीराम अवतार प्रसाद, ग्राम नया टोला हकिकतपुर, थाना बख्तियारपुर, पटना) शामिल हैं।

एसपी नाथु सिंह मीणा ने ऑपरेशन की जानकारी देते हुए

पूछताछ में सभी आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे लोगों को विभिन्न तरीकों से फंसाते थे। आरोपी खुद को बैंक अधिकारी, सेल्स मैनेजर या आरएम बताकर पीड़ितों का विश्वास जीतते थे और निवेश योजनाओं का लालच देकर उनकी ठगी करते थे। अधिकांश आरोपी बिहार के पटना, जमुई और आसपास के जिलों के निवासी हैं, जो बोकारो में सक्रिय होकर इस गिरोह का हिस्सा बन गए थे।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से महत्वपूर्ण सामग्री भी बरामद की है। इसमें 10 मोबाइल फोन, 9 सिम कार्ड, एक अन्य व्यक्ति का पैन कार्ड, 18 बैंक पासबुक, 3 चेकबुक, 10 डेबिट कार्ड और नकद 43,100 रुपये शामिल हैं। इसके अलावा कुछ बैंक खातों में संदिग्ध लेन-देन के साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं। एक खाते में लाखों रुपये के लेन-देन को देखते हुए पुलिस ने उसे तुरंत होल्ड पर डाल दिया है।

पुलिस की जांच टीम अब गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और इसके झारखंड के अलावा अन्य राज्यों में फैले नेटवर्क की गहराई तक छानबीन कर रही है।

एसपी नाथु सिंह मीणा ने इस अभियान का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) पवन कुमार को सौंपा था, जिनकी कुशल टीम ने पूरे ऑपरेशन को सफल बनाया।

रांची पुलिस की कार्रवाई, अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

रांची , एजेंसी। रांची पुलिस ने अवैध अफीम की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नामकुम थाना क्षेत्र से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्करों के पास से करीब 2।836 किलोग्राम अफीम बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रांची एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि नामकुम थाना क्षेत्र के रांची-टाटा रोड स्थित बयांगड़ी बाजार के पास दो लोग मोटरसाइकिल से अवैध अफीम की बिक्री करने के लिए निकले हैं। सूचना के सत्यापन के बाद ग्रामीण एसपी के निर्देश पर डीएसपी एसपी मुख्यालय-2 अमर कुमार पांडेय के नेतृत्व में नामकुम थाना पुलिस और सशस्त्र बल की संयुक्त टीम का गठन किया गया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने दो संदिग्ध मोटरसाइकिल सवारों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में गोलंगा मुंडा और विजय मुंडा शामिल हैं।

पुलिस ने इनके कब्जे से 2।836 किलोग्राम अवैध अफीम, दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामले को लेकर नामकुम थाना में एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अफीम की आपूर्ति कहां से हो रही थी और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

रांची के अलबर्ट एक्का चौक पर 4 और 5 सितंबर को मनेगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव

रांची, एजेंसी। रांची में श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से चार और पांच सितंबर को अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया जायेगा। समिति के संरक्षक रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, सीपी सिंह और अजय मारू हैं। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि समिति पिछले 16 वर्षों से लगातार श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन करती आ रही है।

आयोजन के पहले दिन झांकी व बाल झांकी प्रतियोगिता होगी। दूसरे दिन पांच सितंबर को शाम सात बजे से दही-हांडी फोड़ प्रतियोगिता, भजन संध्या और नृत्य नाटिका का आयोजन किया जायेगा। समिति के संरक्षक सह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है। सभी त्योहारों पर हमारी सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूर्वी भारत की सांस्कृतिक झलकियों के साथ दही-हांडी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। उन्होंने

बताया कि दही- हांडी प्रतियोगिता में पुरुष और महिला गोविंदा टीमों को भाग लेने का अवसर दिया जायेगा। विजेता टीमों को समिति की ओर से नकद पुरस्कार, शील्ड और प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेंगे।

आयोजन से संबंधित विस्तृत जानकारी समिति की बैठक के बाद साझा की जायेगी। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य सक्रिय रूप से जुट हुए हैं। तैयारियों में नीरज कुमार, रविंद्र मोदी, ऐश्वर्य सेठ, रमेंद्र कुमार, कुणाल आजमानी, राज वर्मा, संजय जयसवाल, कमलजीत सिंह शंटी, सतीश सिन्हा, पूनम आनंद, संतोष सेठ, रामाशंकर बगड़िया, नीरज चौधरी, प्रमोद सारस्वत, संजय पोद्दार सहित अन्य सदस्य सहयोग कर रहे हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में श्रद्धा, उल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच मनाई गई भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची / रांची।सरला बिरला पब्लिक स्कूल, राँची में भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथयात्रा के अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। भारतीय संस्कृति एवं आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित सभी जनों को भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के क्वायर ग्रुप द्वारा प्रस्तुत मधुर एवं भक्तिमय प्रार्थना से हुआ, जिसने संपूर्ण वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा एवं भक्तिरस से ओत-प्रोत कर दिया। इसके उपरांत भगवान श्री जगन्नाथ के रथ का पारंपरिक एवं विधिवत खींचकर रथयात्रा का शुभारंभ किया गया। यह प्रतीकात्मक आयोजन एकता, आस्था, समरसता तथा सत्य एवं धर्म की विजय के शाश्वत संदेश का सजीव प्रतीक बना। समारोह का एक अन्य प्रमुख आकर्षण विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी भक्तिमय नृत्य रहा। उनकी भावपूर्ण एवं आकर्षक प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया तथा कार्यक्रम में भक्ति और उल्लास का अद्भुत समावेश किया। कार्यक्रम को और अधिक जीवंत एवं भावपूर्ण बनाते हुए प्री-प्राइमरी के नन्हे विद्यार्थियों ने

भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा का मनोहारी स्वरूप धारण कर आकर्षक झाँकी प्रस्तुत की। अपनी मासूम अभिव्यक्ति, सहज अभिनय एवं उत्साहपूर्ण प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने भगवान की दिव्य रथयात्रा का अत्यंत सुंदर एवं हृदयस्पर्शी चित्र प्रस्तुत किया, जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा रथयात्रा के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर एक ज्ञानवर्धक भाषण भी प्रस्तुत किया गया। वक्ता ने भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परंपरा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह महापर्व प्रेम, समानता, सेवा, समर्पण एवं मानवता का संदेश देता है तथा समाज में एकता और सद्भाव को सुदृढ़ करने की प्रेरणा प्रदान करता है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मनीषा शर्मा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को रथयात्रा के पावन संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा हमें विनम्रता, करुणा, प्रेम, सह-अस्तित्व एवं समरसता का मार्ग अपनाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने विद्यार्थियों को स्मरण कराया कि भगवान श्री जगन्नाथ की यह दिव्य यात्रा प्रत्येक व्यक्ति को प्रेम, समानता एवं अपनत्व के भाव से स्वीकार करने का संदेश देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय संस्कृति एवं समृद्ध परंपराओं से सदैव जुड़े रहने तथा जिम्मेदार, दयालु, अनुशासित एवं आदर्श नागरिक बनने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

संपूर्ण कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति, सांस्कृतिक गरिमा एवं आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण रहा। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ सहभागिता निभाई और भारतीय संस्कृति तथा जीवन-मूल्यों के प्रति अपनी आस्था एवं सम्मान का प्रेरणादायी परिचय दिया।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत IIIT रांची में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची/ रांची भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान रांची में भारत सरकार के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव, संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर में विभिन्न स्थानों पर पौधे लगाए।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. राजीव श्रीवास्तव द्वारा पौधारोपण के साथ हुई। इसके बाद संस्थान के सभी संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सभी ने हरियाली बढ़ाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प भी लिया।

इस अवसर पर प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और हरित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति और मातृत्व, दोनों के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास है। इसी भावना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से संस्थान परिवार ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सहभागिता दर्ज कराई। ट्रिपल आईटी रांची समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है, जो समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ विद्यार्थियों और संस्थान परिवार को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित करते हैं।

राज्य में 50.60% मतदाताओं के इन्यूमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूरा

▶ ग्रामीण क्षेत्र के मतदाता ससमय कर रहे है अपने इन्यूमरेशन फॉर्म जमा

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची / राँची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा है कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अभियान में मतदाताओं, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 से प्राप्त सहयोग से बीएलओ तेजी से कार्य कर रहें है। वर्तमान में बीएलओ द्वारा घर घर जाकर 96.68% मतदाताओं तक इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिया गया है। केवल कुछ मतदाता (जिसमें एएसडीडीएफ सूची के मतदाता भी हो सकते हैं) को ही उनके इन्यूमरेशन फॉर्म नहीं प्राप्त हुए हैं । वहीं राज्य में मतदाताओं द्वारा इन्यूमरेशन फॉर्म भरकर अपने बीएलओ को वापस किए जा रहे एवं भरे हुए फॉर्म को शीघ्रता से डिजिटाइजेशन किया जा रहा है वर्तमान में 50.06% मतदाताओं के फॉर्म के डिजिटाइजेशन का कार्य पूरा हो चुका है।

पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में मतदाता समसमय अपने इन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर रहे हैं। उन्होंने शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं के एसआईआर के प्रति उत्साह को और भागीदारी के प्रति चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि शहरी मतदाताओं युवा मतदाताओं की कम भागीदारी एसआईआर अभियान के लिए एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्र वाले जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारियों से हुई बैठक में आए सुझाव पर आगामी 18 और 20 जुलाई 2026 को सभी शहरी क्षेत्रों के सभी मतदान केंद्र पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में मतदाताओं के बार-बार पलायन करने, घर-घर सत्यापन के दौरान बीएलओ से संपर्क न हो पाने, तथा युवाओं में उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए प्रवास करने के कारण मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के प्रति उदासीनता देखी गई है। इन कमियों को दूर करने के लिए ही यह दो दिवस का स्पेशल कैंप लगाया जा रहा है।

राजकोट में पश्चिमी सिंहभूम के चार मजदूर बंधक,

मारपीटकर कराया जाता है काम, घर लौटने की लगा रहे गुहार

पश्चिमी सिंहभूम, एजेंसी। गुजरात के राजकोट से झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चार प्रवासी मजदूरों के कथित शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। मजदूरों ने आरोप लगाया है कि उन्हें पिछले करीब एक वर्ष से एक निजी कंपनी में बंधुआ मजदूरों की तरह रखा गया, बिना वेतन के काम कराया गया और मजदूरी मांगने पर उनके साथ मारपीट की गई। फिलहाल चारों मजदूर किसी तरह कंपनी से निकलकर राजकोट रेलवे स्टेशन पहुंचने में सफल हुए हैं, लेकिन उनके पास न खाने-पीने के लिए पैसे हैं और न ही झारखंड लौटने का किराया। उन्होंने झारखंड सरकार से सुरक्षित घर वापसी की गुहार लगाई है।

पीड़ित मजदूरों में चक्रधरपुर निवासी कार्तिक लोहार, गोइलकेरा के राधे लोहार, हाटगम्हरिया के लक्ष्मण पूर्ति और गोविंदा पूर्ति शामिल हैं। इनमें एक महिला मजदूर भी शामिल है। मजदूरों का आरोप है कि उन्हें काम दिलाने के नाम पर राजकोट ले जाया गया था, लेकिन वहां पहुंचने के बाद उनकी स्थिति पूरी तरह बदल गई। उन्हें नियमित मजदूरी नहीं दी गई और कंपनी परिसर से बाहर निकलने की भी अनुमति नहीं थी। मजदूरों का कहना है कि जब भी उन्होंने अपनी

मेहनत की कमाई मांगी, उन्हें धमकाया गया और मारपीट कर दोबारा काम पर लगा दिया गया। उनका आरोप है कि उनके साथ ऐसा व्यवहार किया गया, मानो वे बंधुआ मजदूर हों।

पीड़ितों के अनुसार, कई महीनों तक प्रताड़ना सहने के बाद उन्हें कंपनी से निकलने का मौका मिला। बुधवार रात वे किसी तरह वहां से भागकर राजकोट रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिलहाल वे स्टेशन परिसर में ही रह रहे हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं। चारों मजदूरों ने बताया कि उनके पास भोजन खरीदने तक के पैसे नहीं बचे हैं। घर लौटने के लिए ट्रेन का टिकट लेना भी उनके लिए संभव नहीं है। आर्थिक तंगी और सुरक्षा की चिंता के बीच वे लगातार अपने परिजनों और स्थानीय लोगों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। मजदूरों ने दावा किया है कि वे अकेले पीड़ित नहीं हैं। उनके अनुसार, उसी कंपनी में उनके कई अन्य साथी अब भी फंसे हुए हैं। आरोप है कि उन मजदूरों से भी जबरन काम कराया जा रहा है और विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की जाती है। उन्हें बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी जाती, जिससे वे भय के माहौल में जीवन जीने को मजबूर हैं। यदि यह दावा सही साबित होता है तो मामला केवल चार मजदूरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर श्रमिकों के कथित शोषण का मामला बन सकता है।

पीड़ित मजदूरों ने झारखंड सरकार, पश्चिम सिंहभूम जिला प्रशासन, श्रम विभाग और जनप्रतिनिधियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और जल्द से जल्द उन्हें सुरक्षित झारखंड वापस लाया जाए। मजदूरों ने यह भी मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उनका कहना है कि लंबे समय तक शोषण झेलने के बाद अब उन्हें केवल सुरक्षित घर लौटने की उम्मीद है।

मजदूरों के लगाए गए आरोप सही पाए जाने पर यह मामला बंधुआ मजदूरी, अवैध रूप से बंधक बनाकर रखने, मजदूरी का भुगतान नहीं करने, श्रमिकों के शोषण और श्रम कानूनों के गंभीर उल्लंघन से जुड़ा हो सकता है। ऐसे मामलों में पुलिस जांच, श्रम विभाग की कार्रवाई और संबंधित राज्य सरकारों के समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फिलहाल, मजदूरों के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। हालांकि उनकी आपबीती ने प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा, श्रमिक अधिकारों और रोजगार के नाम पर होने वाले संभावित शोषण को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि झारखंड सरकार, गुजरात प्रशासन और संबंधित एजेंसियां इस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई करती हैं और फंसे हुए मजदूरों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अशोक नगर चोरी कांड में इस्तेमाल जगुआर कार बंगाल से बरामद

रांची, एजेंसी। रांची के अशोक नगर स्थित त्रिवेणी कंस्ट्रक्शन के मालिक अखिलेश पांडेय के घर हुई हाई-प्रोफाइल चोरी के मामले में रांची पुलिस को सफलता मिली है। चोरी की वारदात में इस्तेमाल की गयी जगुआर कार को पश्चिम बंगाल के बरुइपुर से बरामद कर लिया गया है। पुलिस वाहन को रांची ले आयी है। अब आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश तेज कर दी गयी है। जानकारी के अनुसार चोरी के बाद भागने के दौरान आरोपियों की जगुआर कार की एक अन्य वाहन से टक्कर हो गयी थी। मामला बढ़ता देख दोनों आरोपी कार वहीं छोड़कर फरार हो गये थे। पुलिस का दावा है कि तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर जल्द ही दोनों आरोपी गिरफ्त में होंगे। गौरतलब है कि अखिलेश पांडेय के घर से करीब आठ लाख रुपये नकद और लगभग 90 लाख रुपये मूल्य के सोने, हीरे, रूबी व चांदी के जेवरात चोरी हुए थे। इस संबंध में अखिलेश पांडेय के पुत्र की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है। जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी आठ जुलाई की दोपहर करीब 80 लाख की जगुआर कार से रांची पहुंचे थे। कार पर उत्तरप्रदेश का नंबर प्लेट लगा था। दोनों ने जगन्नाथपुर स्थित बिरसा चौक के पास होटल पार्क रिट्रीट में कमरा लिया था। होटल में ठहरने के लिए उन्होंने एक मुस्लिम व्यक्ति के नाम पर बने आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था। जांच में यह भी पता चला कि होटल में ठहरने के दौरान दोनों कई बार बाहर निकले थे। पुलिस होटल के सीसीटीवी फुटेज, फर्जी पहचान और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

ड्यूटी से गायब डॉक्टरों पर गिरेगी गाज, 28 जुलाई तक जॉइन नहीं किया तो जाएगी नौकरी

रांची, एजेंसी। झारखंड के मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में लगातार हो रही अनुपस्थिति और मनमाने रवैये के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभिन्न विभागों में नियुक्ति और पदस्थापन के बाद जो डॉक्टर तय समय पर अस्पताल में योगदान नहीं दे रहे हैं या बिना सूचना के ड्यूटी से नदारद हैं, उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की कार्रवाई को आगे बढ़ाया गया है। उन्हें विभाग द्वारा अंतिम रूप से चेताया गया है। अगर 28 जुलाई तक नियुक्त प्राध्यापक अपने विभाग में योगदान नहीं देते हैं तो आगे चलकर उनकी सेवा समाप्त मान ली जायेगी और उनका कोई भी दावा मान्य नहीं होगा। 18 मार्च को जारी विभागीय अधिसूचना के जरिये सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति के साथ ही उनका पदस्थापन किया गया था। हालांकि, सूचीबद्ध डॉक्टरों ने अपना योगदान नहीं दिया। इस संबंध में विभाग द्वारा 18 जून को भी एक पत्र जारी करते हुए उन्हें अविलंब अपनी सेवा देने को कहा था, बावजूद डॉक्टर्स बिना कोई कारण बताये अनुपस्थित हैं। इनमें से कुछ डॉक्टर्स सितंबर 2025 से ही गायब बताये जा रहे हैं। अब स्वास्थ्य विभाग मेडिकल कॉलेज में पदस्थापना के जगह पर योगदान नहीं देने वाले सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति अधिसूचना विलोपित करने जा रही है। आपको बता दें कि नेशनल मेडिकल कमीशन लगातार मेडिकल सीटों को बढ़ाने के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में प्राध्यापकों, सहायक प्राध्यापकों की संख्या नियम संगत बनाने को लेकर दबाव बनाये हुए है।

रातू में युवती से सामूहिक दुष्कर्म, सात आरोपी गिरफ्तार, दो की तलाश जारी

रांची, एजेंसी। रातू थाना क्षेत्र के कुंबाटोली गांव में युवती (19 वर्ष) के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना उजागर हुई है। इस मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं दो आरोपी अब भी फरार हैं। पीड़िता मूल रूप से खूंटी जिला के रनिया की रहनेवाली है और फिलहाल धुर्वा में रहती है। पीड़िता ने पुलिस को बताया है कि 12 जुलाई (रविवार) को उसकी सहेली मरियम टुटी, मरियम के मित्र अंकित उरांव तथा अन्य लोगों के साथ रातू के कुंबाटोली स्थित अंकित उरांव के घर जाने की योजना बनी थी। रात करीब आठ बजे रचित, अंकित और मरियम बाइक से निकले, जबकि पीड़िता अंकित के दोस्तों ऋषि उरांव और सुदीप उरांव के साथ स्कूटी से कुंबाटोली के लिए रवाना हुई। पीड़िता के अनुसार, हाजी चौक तक सभी लोग साथ-साथ चल रहे थे, लेकिन इसके बाद सुदीप उरांव स्कूटी तेज गति से चलाते हुए आगे निकल गया और उसे एक सुनसान स्थान पर ले गया। वहां उसने युवती के साथ जबरदस्ती करने का प्रयास किया। विरोध करने के दौरान सात-आठ अन्य युवक भी वहां पहुंच गये। इसके बाद उसे ब्रजपुर स्थित एक सुनसान और बंद मकान में ले गये। युवती ने आरोप लगाया है कि सुदीप उरांव, निशांत उरांव, रोशन उरांव, अमनदीप उरांव, राहुल उरांव, अभिषेक उरांव, अनुज उरांव, आशीष उरांव तथा ऋषि उरांव ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अमानवीय व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। पीड़िता के अनुसार, घटना के बाद सुदीप और ऋषि उसे अंकित उरांव के घर ले गये, जहां उसकी सहेली मरियम मौजूद थी।

अवैध अफीम पर ब्रेक की कवायद, मास्टरप्लान तैयार

अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस द्वारा अवैध अफीम की खेती के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में लगातार सफलता हासिल हो रही है। साल 2024 से लेकर 2026 तक 65,000 एकड़ से ज्यादा में लगी अफीम की फसल नष्ट की गई थी। अब नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और सीआईडी की टीम आने वाले नए अफीम वर्ष में किसी भी तरह से अफीम की खेती ना हो, इसके लिए मास्टर प्लान पर काम कर रहे हैं। झारखंड में अफीम की खेती रोकने के लिए सीआईडी की तरफ से एक्शन प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत अफीम प्रभावित जिलों में प्री कल्टीवेशन अभियान को लॉन्च किया गया है। इसके अंतर्गत जिन इलाकों में अफीम की खेती पूर्व में की जाती थी और जिन खेतों में लगे अफीम की फसल को नष्ट किया गया था, वैसे तमाम जगहों का सत्यापन किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन क्षेत्रों में अफीम की खेती के लिए कोई तैयारी नहीं की जा रही है।

सीआईडी के पत्र के अनुसार, रांची, खूंटी, हजारीबाग, चतरा, पलामू, लातेहार और पश्चिम सिंहभूम, चाईबासा के साथ-साथ सरायकेला खरसावां जिले को इस अभियान में शामिल किया गया है। सीआईडी के पत्र में यह बताया गया है कि अभियान के दौरान पिछले वर्ष अफीम की खेती के खिलाफ दर्ज केसों की समीक्षा करना है, साथ ही साथ वांटेड आरोपियों की गिरफ्तारी भी सुनिश्चित करना है। अफीम कांड में फरार व्यक्तियों के खिलाफ कुर्की-जब्ती की कार्रवाई को भी सुनिश्चित करना है।

पत्र में प्रभावित जिलों के एसपी को अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया है। इस

दौरान विशेष रूप से यह प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है कि अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

नशे के तस्करों, खासकर अफीम तस्करों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई के लिए हाल में ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली में की थी। बैठक में कई अहम निर्देश झारखंड पुलिस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के लिए भी जारी किए गए थे। बरसात खत्म होते ही अफीम तस्कर अफीम की खेती करने के जुगत में लग जाते हैं। ऐसे में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो सैटेलाइट के जरिए और सीआईडी की टीम जमीनी स्तर पर अफीम तस्करों पर नजर रख रही है।

पिछले 2 सालों के भीतर जितने भी अफीम तस्कर जेल गए थे, उनकी वर्तमान स्थिति क्या है, क्या वह अभी जेल से बाहर हैं या फिर जेल के अंदर ही हैं। अगर वे जेल से बाहर हैं तो उनकी गतिविधि अभी क्या है, इन सब की जानकारी सीआईडी द्वारा जुटाई जा रही है।

मादक पदार्थों पर चल रही कार्रवाई को लेकर डीजीपी तदाशा मिश्र ने हाल में ही समीक्षा बैठक भी की थी। बैठक में नशे के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कई रणनीतियां तैयार की गई हैं, जिसमें सबसे प्रमुख है कि नशे के तस्करों के बैंक खातों की पूरी जानकारी जुटाकर उसके मनी ट्रेल के बारे में पता लगाया जाए। मनी ट्रेल के जरिए यह पता चल जाएगा कि जो नशे के तस्कर ब्राउन शुगर, अफीम, गांजा और हीरोइन जैसे मादक पदार्थ बेचकर पैसा अपने खातों में लेते हैं, वह पैसा आखिर किन-किन खातों में ट्रांसफर होता है।

मनी ट्रेल का पता करने के लिए राज्यभर में गिरफ्तार नशे के तस्करों के बैंक खातों को खंगाला जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, नशे के तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में अक्सर छोटे अपराधी पकड़े जाते हैं, लेकिन इन सब के पीछे कौन सा बड़ा गैंग काम कर रहा है, उसकी जानकारी जुटाने में मनी ट्रेल काफी सहायक साबित हो सकता है।

इस कड़ी में सभी जिलों के एसपी को निर्देश दिया गया है कि वैसे तस्कर जिनका नाम बार-बार नशे की तस्करी में सामने आ रहा है, ऐसे लोगों के खिलाफ निगरानी की कार्रवाई के लिए डोजियर खोला जाए। साथ ही वैसे तस्कर जिनकी जमानत हो चुकी है, ऐसे लोगों के बेलरो का सत्यापन किया जाए। बरामद मादक पदार्थ का सीजर ठीक तरह तैयार किया जाए। इसके अलावा अगर केस में ट्रायल के दौरान सरकारी पदाधिकारी गवाही से मुकर रहे हैं, तब ऐसे लोगों के बारे में सत्यापन कर उनके खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा भी की जाए। सीआईडी द्वारा उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फसल वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान राज्य में अब तक 65,634।37 एकड़ से अधिक क्षेत्र में लगी अवैध अफीम की फसल नष्ट की गई है। इस दौरान 390 मामले दर्ज किए गए और 285 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2025-26 में अफीम के साथ-साथ 2 एकड़ में अवैध गांजा की खेती भी नष्ट की गई है।

फसल वर्ष 2024-25 में पुलिस ने राज्यभर में 313 मामले दर्ज किए, 237 लोगों को गिरफ्तार किया तथा 27,015।035 एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया। इस वर्ष सबसे अधिक कार्रवाई चतरा जिले में हुई, जहां 1,566।46 एकड़ में लगी अफीम की फसल नष्ट की गई, इसके अलावा 56 लोगों की गिरफ्तारी और 42 मामले दर्ज किए गए। वहीं रांची में 100 मामले दर्ज, 33 गिरफ्तारियां तथा 6,843।47 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया।

गिरिडीह के बगोदर में 35 लाख की शराब जब्त, जंगल का फायदा उठाकर ड्राइवर फरार

गिरिडीह, एजेंसी। बुधवार को गैड़ा के पास एसपी को मिली गुप्त सूचना पर हुई छापेमारी में पुलिस ने एक ट्रक से 35 लाख रुपए से ज्यादा की अवैध शराब पकड़ी है। यह ट्रक नेशनल हाइवे से होकर बिहार की ओर जा रहा था।

डुमरी से बगोदर जा रहे ट्रक में 618 पेटी विदेशी शराब थी। पुलिस को देखकर ड्राइवर ट्रक को सड़क पर छोड़कर जंगल में भाग गया। धनंजय कुमार राम ने कहा कि पुलिस ने पीछा किया, लेकिन ड्राइवर भागने में कामयाब रहा।

जब्त शराब में कई ब्रांड शामिल हैं। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मालिक और अज्ञात तस्करों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। छापेमारी में इंस्पेक्टर अजय कुमार, थाना प्रभारी राजेश कुमार समेत पूरी टीम शामिल थी।

एसपी डॉ। विमल कुमार को सूचना मिली थी कि डुमरी की ओर से एक ट्रक में अवैध शराब आ रही है। जब एसडीपीओ धनंजय कुमार राम के नेतृत्व वाली टीम ने चेकिंग शुरू की तो कुछ ही दूरी पर ट्रक ड्राइवर ट्रक छोड़कर झाड़ियों में भाग कर गायब हो गया।

जब ट्रक की जांच की गई तो पुलिस हैरान रह गई। उसमें से 618 पेटी शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 35 लाख 35 हजार रुपये आंकी गई है। बगोदर पुलिस के लिए यह इस महीने की सबसे बड़ी कामयाबी है। अब पुलिस ट्रक मालिक और फरार ड्राइवर की तलाश में जुटी है। एसडीपीओ ने कहा शराब माफिया पर नकेल कसने का अभियान जारी रहेगा।

सीएम के आदेश पर धनबाद प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, सरकारी तालाब पर कब्जे की कोशिश विफल

धनबाद, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आदेश के बाद सरकारी जमीन और जलस्रोतों पर अवैध कब्जे के खिलाफ धनबाद जिला प्रशासन ने सख्त रूख अपनाया है। गोविंदपुर अंचल के जियलगोड़ा स्थित करीब ढाई एकड़ सरकारी तालाब पर अवैध मिट्टी भराई कर कब्जे की कोशिश को प्रशासन ने समय रहते विफल कर दिया। वहीं इस कार्रवाई के दौरान एक हाइवा जब्त किया गया है। मामले में भू-माफियाओं के खिलाफ गोविंदपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मंगलवार सुबह गोविंदपुर अंचल प्रशासन को सूचना मिली कि जियलगोड़ा स्थित सरकारी तालाब में अवैध रूप से मिट्टी भरकर उसे पाटने की कोशिश की जा रही है। सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी यशवंत कुमार सिन्हा राजस्व और प्रशासनिक टीम के साथ मौके पर

पहुंचे। पदाधिकारियों को देखते ही अवैध कार्य में शामिल लोग वाहन छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद सीओ ने मौके पर पुलिस को बुलाया। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और मिट्टी ढुलाई में इस्तेमाल हो रहे हाइवा को जब्त कर थाना ले गई।

जांच में पता चला कि संबंधित भूमि लगभग 2।49 एकड़ क्षेत्रफल की सरकारी तालाब की जमीन है, जो राजस्व अभिलेखों में जलकर के रूप में दर्ज है। स्थानीय ग्रामीण इस तालाब का उपयोग मछली पालन, धार्मिक अनुष्ठानों और पशुओं के लिए पानी के स्रोत के रूप में करते हैं। प्रशासन का कहना है कि तालाब को पाटने की कोशिश से सार्वजनिक संपत्ति के साथ-साथ पर्यावरण को भी नुकसान पहुंच सकता था।

अंचलाधिकारी की शिकायत पर गोविंदपुर थाना में भारतीय न्याय संहिता और सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत हाइवा मालिक, चालक और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन ने स्पष्ट कहा कि जिले में सरकारी भूमि, तालाब, नदी, नाला या किसी भी सार्वजनिक जलस्रोतों का अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने सभी अंचलाधिकारियों को जलस्रोतों की नियमित निगरानी और अतिक्रमण के मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

वहीं सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव ने कहा कि जब्त हाइवा के मालिक, चालक और पूरे गिरोह की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने जांच तेज कर दी गई है। उन्होंने दोहराया कि सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के प्रति धनबाद पुलिस की 'जीरो टॉलरेंस' नीति जारी रहेगी।अपर समाहर्ता प्रदीप शुक्ला ने अंचल प्रशासन को तालाब का सीमांकन कराने और भविष्य में उसके संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया है।

रिम्स में योग से थायरॉइड पर होगा बड़ा वैज्ञानिक अध्ययन! रांची के रिम्स कैंपस में योग लैब का उद्घाटन किया गया

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में मौजूद राज्य के सबसे बड़े अस्पताल 'रिम्स' में योग और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय की दिशा में एक नई पहल की गई है। रिम्स के न्यू अकादमिक ब्लॉक में अत्याधुनिक योग लैब का उद्घाटन किया गया। इसी के साथ योग और प्राणायाम का थायरॉइड विकारों पर प्रभाव जानने के लिए एक बहुकेंद्रीय वैज्ञानिक शोध अध्ययन भी शुरू किया गया है। यह अध्ययन सिर्फ रिम्स तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि झारखंड के अन्य मेडिकल कॉलेज भी इसमें शामिल होंगे।

इस शोध के तहत चयनित प्रतिभागी अगले दो महीने तक नियमित रूप से योग और प्राणायाम का अभ्यास करेंगे। इसके बाद विशेषज्ञ उनकी थायरॉइड ग्रंथि और उससे जुड़े विभिन्न स्वास्थ्य मानकों का वैज्ञानिक मूल्यांकन करेंगे। इस अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि नियमित योग और प्राणायाम थायरॉइड विकारों के प्रबंधन में कितने प्रभावी साबित हो

सकते हैं।

योग लैब के उद्घाटन के अवसर पर रिम्स के निदेशक प्रो। डॉ। डी।के। सिन्हा ने कहा कि योग केवल जीवनशैली का हिस्सा नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित स्वास्थ्य संवर्धन का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि ऐसे शोध भविष्य में मरीजों के उपचार के नए विकल्प विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो। डॉ। मैरी पुष्पा बाड़ा ने कहा कि इस अध्ययन से यह समझने में मदद मिलेगी कि थायरॉइड विकारों के इलाज और प्रबंधन में योग की क्या भूमिका हो सकती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शोध के निष्कर्ष भविष्य में चिकित्सकों को बेहतर उपचार रणनीति तैयार करने में मदद करेंगे।

इस कार्यक्रम के दौरान अध्ययन के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ। पियूष ने प्रतिभागियों को योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया। साथ ही उन्होंने दैनिक जीवन में योग को अपनाकर बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के व्यावहारिक सुझाव भी दिए।

धनबाद में दर्दनाक हादसा: घर के बाथरूम में मिले दो महिलाओं के शव, करंट लगने से मौत

धनबाद, एजेंसी। पुटकी थाना क्षेत्र के पुटकी स्थित बीसीसीएल की ए-टाइप कॉलोनी में करंट लगने से दो महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में घर की मालकिन और उनके यहां काम करने वाली महिला शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। यह दर्दनाक हादसा पुटकी थाना क्षेत्र स्थित बीसीसीएल की ए-टाइप कॉलोनी में हुआ। मृतकों की पहचान 50 वर्षीय शोभा सिन्हा और 40 वर्षीय शांति देवी के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि शोभा सिन्हा अपने घर की सफाई करवा रही थी। इसी दौरान दोनों किसी तरह बिजली के संपर्क में आ गईं

और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुटकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि करंट कैसे लगा। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ के आधार पर हर पहलू की जांच की जा रही है। दोनों का शव घर के बाथरूम से बरामद हुआ है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, शोभा सिन्हा करीब चार महीने बाद अपने घर लौटी थीं। घर की साफ-सफाई के दौरान उनके साथ काम कर रही महिला भी मौजूद थी। इसी बीच दोनों करंट की चपेट में आ गईं। लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। परिजनों का कहना है कि घटना की सही वजह अब तक सामने नहीं आई है।

खूंटी पुलिस की मंथली क्राइम मीटिंग में एसपी ऋषभ गर्ग सख्त,

एसपी ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए जारी किए कई महत्वपूर्ण निर्देश

रांची, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिला पुलिस कार्यालय सभागार में गुरुवार को मंथली क्राइम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने की। इस दौरान जिले में बीते महीने दर्ज हुए आपराधिक मामलों, उनके निष्पादन, लंबित केस, वारंट, कुर्की-जब्ती और आगामी श्रावणी मेला एवं रथ यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की गई। एसपी ने कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी जारी किए।

बैठक के दौरान एसपी ऋषभ गर्ग ने पिछले महीने जिले में दर्ज हुए आपराधिक मामलों की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि अधिकांश मामलों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन किया गया है। इसे उन्होंने खूंटी पुलिस की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और सभी पुलिस अधिकारियों की सराहना की। एसपी ने कहा कि मामलों का शीघ्र निष्पादन पुलिस की कार्यशैली को प्रभावी बनाता है और इससे आम लोगों का पुलिस पर भरोसा भी मजबूत होता है। उन्होंने अधिकारियों को आगे भी इसी गति और गंभीरता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक में लंबित मामलों, वारंट के निष्पादन और कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की भी विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा

के दौरान इन मामलों में संतोषजनक प्रगति सामने आई। एसपी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों का निष्पादन अभी बाकी है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कानून से बचने वाले आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

बैठक में आगामी श्रावण माह के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों और शुक्रवार को निकलने वाली रथ यात्रा की तैयारियों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ नियंत्रण, नियमित गश्त और असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि पर्व-त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सकें।

एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस ने पूर्व के आपराधिक इतिहास वाले व्यक्तियों की विस्तृत प्रोफाइल तैयार की है। इसमें विशेष रूप से नक्सली गतिविधियों, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस (मादक पदार्थ) से जुड़े मामलों में संलिप्त लोगों को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि इन व्यक्तियों के आपराधिक रिकॉर्ड के साथ-साथ उनके बैंक खाते, पैन कार्ड, आधार कार्ड, अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज और वर्तमान गतिविधियों का भी रिकॉर्ड तैयार किया गया है। इस डाटाबेस के माध्यम से पुलिस ऐसे लोगों की गतिविधियों पर लगातार नजर रख सकेगी और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई भी कर सकेगी।

एसपी ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले में अपराध की घटनाओं में कमी लाना और अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों और संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार निगरानी रखें तथा किसी भी सूचना पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में तोरपा और खूंटी के एसडीपीओ, जिले के सभी पुलिस इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी तथा अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनता की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

जन सुराज के 3 पूर्व प्रत्याशी भाजपा में शामिल, बांकीपुर उपचुनाव से पहले प्रशांत किशोर को झटका

पटना, एजेंसी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले बिहार की राजनीति में बड़ा उलटफेर हुआ है। जनसुराज पार्टी के तीन पूर्व विधानसभा प्रत्याशी केसी सिन्हा, बिट्टू सिंह और गोपाल सिंह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने तीनों नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। चुनाव से ठीक पहले यह घटनाक्रम होने से राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर हैं। केसी सिन्हा पीएम मोदी से प्रभावित : भाजपा में शामिल होने के बाद गणितज्ञ केसी सिन्हा ने कहा कि बिहार ज्ञान, विज्ञान और शिक्षा की धरती रही है। नालंदा में कभी देश-विदेश के छात्र पढ़ाई करने आते थे, अब फिर से एक बार नालंदा का गौरवशाली अतीत लौट रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं और हम भी इस विकास यात्रा का हिस्सा होना चाहते हैं। गोपाल सिंह की घर वापसी : मनेर के पूर्व प्रत्याशी गोपाल सिंह ने बताया कि वह 1990 के समय से ही भाजपा से जुड़े हुए थे। उन्होंने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत प्रखंड महामंत्री के रूप में की थी और इसके बाद वे पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे। बीच में वे भाजपा छोड़कर जनसुराज में शामिल हुए थे और वहां की टिकट पर मनेर विधानसभा से चुनाव भी लड़ा। लेकिन जो सोचकर वे प्रशांत किशोर के साथ गए थे, वैसा कुछ भी वहां देखने को नहीं मिला। गुस्से में जनसुराज में चले गए थे' : बिट्टू सिंह ने कहा कि आवेश में आकर कभी भी कोई काम नहीं करना चाहिए। मैंने भी आवेश में आकर ही जनसुराज में शामिल होने का फैसला किया था। इसे अपनी बड़ी गलती मानते हुए मैं पार्टी और जनता से माफी मांगता हूं। बंटी सिंह ने अपनी बात को दोहराते हुए कहा कि मैं इस गलती के लिए पहले भी माफी मांग चुका हूं और आज भी सबके सामने माफी मांगता हूं। पुरानी बातों को पीछे छोड़कर हम सभी लोग पूरी तरह एकजुट होकर एक साथ मिलकर पार्टी के लिए काम करेंगे। चुनाव प्रचार के बीच सियासी हलचल : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि बड़ी संख्या में नेता नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। इनके आने से पार्टी को और ताकत मिलेगी। बांकीपुर उपचुनाव में भाजपा और जनसुराज के बीच सीधी राजनीतिक लड़ाई देखने को मिल रही है। ऐसे में इन पूर्व उम्मीदवारों का भाजपा का दामन थामना चुनावी माहौल को और गर्म करने वाला कदम माना जा रहा है।

35 साल बाद कोर्ट के आदेश पर बजी डुगडुगी, 103 वर्षीय हबीबन खातून को मिली अपनी जमीन

मोतिहारी , एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड के मंगलापुर गांव में बुधवार को एक लंबे समय से चले आ रहे जमीन विवाद का अंत हुआ। करीब 35 वर्षों तक न्यायालय में चली कानूनी प्रक्रिया के बाद 103 वर्षीय हबीबन खातून को उनकी जमीन का विधिवत कब्जा दिलाया गया। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच दखल दहानी की कार्रवाई पूरी कराई। 35 साल कोर्ट में लड़ाई फिर मिली जमीन : प्राप्त जानकारी के अनुसार, हबीबन खातून और अन्य पक्षों के बीच करीब 1 कट्ठा 4 धुर भूमि को लेकर वर्ष 1994 से विवाद चल रहा था। मामला न्यायालय में विचाराधीन था। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने हबीबन खातून के पक्ष में फैसला सुनाते हुए प्रशासन को आदेश का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। न्यायालय के आदेश के बाद राजस्व विभाग, स्थानीय प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम गांव पहुंची। निर्धारित प्रक्रिया के तहत संबंधित भूमि पर दखल दहानी कराई गई और कब्जा हबीबन खातून को सौंप दिया गया। कार्रवाई के दौरान न्यायालय के आदेश की सार्वजनिक जानकारी देने के लिए गांव में डुगडुगी भी बजवाई गई। भूमि विवाद को देखते हुए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए थे। मौके पर करीब 300 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसके अलावा मजिस्ट्रेट, राजस्व विभाग के अधिकारी और कल्याणपुर थाना पुलिस पूरी कार्रवाई के दौरान मौजूद रहे। प्रशासन की निगरानी में पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

पहली बार गांवों में भी देना होगा टैक्स:पानी-हाट के लगेंगे पैसे

गाड़ियां खरीदना भी महंगा, 4 जिलों में बनेगा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, सम्राट कैबिनेट का फैसला

पटना, एजेंसी। भागलपुर में बनने वाले ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का नाम अजगैबीनाथ धाम होगा। इसके लिए कुल ?1329।58 करोड़ खर्च होंगे। इसके साथ ही राजगीर, रोहतास और कैमूर में में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनेगा। इसे लेकर इंडियन एयरपोर्ट अथॉरिटी और बिहार सरकार के बीच समझौता हुआ है।

इसके अलावा पंचायत चुनाव 2026 नए परिसीमन के आधार पर कराए जाएंगे। यह परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर होगा। सीएम सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। कैबिनेट की बैठक में कुल 25 एजेंडों पर मुहर लगी है।

राज्य सरकार ने व्हीकल टैक्स में बढ़ोतरी को भी मंजूरी दी है। दोपहिया और तीन पहिया वाहनों पर टैक्स बढ़ाया गया है। दो पहिया वाहनों पर टैक्स में 1% की वृद्धि की गई है। वहीं, तीन पहिया वाहन खरीदने वालों को 1,000 रुपए अतिरिक्त टैक्स देना पड़ेगा। इसके अलावा कॉमर्शियल वाहनों के टैक्स में 4% की वृद्धि की गई है।

वहीं, सीतामढ़ी के पुनौराधाम स्थित माता सीता जन्मस्थली को अयोध्या की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसे लेकर कैबिनेट में ट्रस्ट डीड को मंजूरी दी गई है। इसके लिए 50।89 एकड़ जमीन मंदिर न्यास समिति को निःशुल्क हस्तांतरित करने की स्वीकृति दी गई है।

पंचायत के जरिए टैक्स वसूलेगी सरकार

वाहन बेचने वाले डीलरों और निर्माताओं पर लगने वाला ट्रेड टैक्स भी चार गुना बढ़ा दिया है। सरकार का कहना है कि लंबे समय से टैक्स की दरों में बदलाव नहीं हुआ था। इसलिए अब नई दरें लागू की जा रही हैं। बिहार सरकार पंचायत के जरिए टैक्स वसूलेगी।

भवन कर, कमर्शियल लैंड टैक्स, सिनेमा, होर्डिंग्स, व्यापार कर, पीने का पानी, हाट लगाने, कूड़ा उठाने के लिए टैक्स लिया जाएगा। पंचायत को टैक्स क्लेक्शन करने का अधिकार दिया। बिहार में पहली बार टैक्स वसूले जाने का फैसला लिया है। सरकार का कहना है कि इससे ग्राम पंचायतों की अपनी आय बढ़ेगी और विकास कार्यों के लिए उन्हें राज्य सरकार पर पहले की तुलना में कम निर्भर रहना पड़ेगा।

कैबिनेट के अन्य बड़े फैसले

कैदी की मौत पर मुआवजा: जेल में बंदियों की प्राकृतिक या अप्राकृतिक मृत्यु होने पर आश्रितों को मुआवजा देने के लिए नई नीति बनेगी।

पूर्व सैनिकों का मानदेय बढ़ा: बिहार की जेलों में अनुबंध पर तैनात पूर्व सैनिक कक्षपालों का मानदेय 19,800 रुपये से बढ़ाकर 30,000 रुपए कर दिया गया है।

मॉडल स्कूल का विस्तार: राज्य के माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों को 'सरस्वती विद्या निकेतन' (आदर्श विद्यालय) के रूप में विकसित किया जाएगा।

रोपवे कंपनी का गठन: पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'बिहार स्टेट रोपवे कंपनी लिमिटेड' बनेगी।

पिछले कैबिनेट के बड़े फैसले

ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप के लिए खरीदी जाएगी जमीन

सरकार ने पटना, सोनपुर, गया और मुजफ्फरपुर में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड सैटेलाइट टाउनशिप विकसित करने के लिए जमीन अधिग्रहण को मंजूरी दी थी।

इन टाउनशिप में सड़क, पेयजल, बिजली समेत सभी आधुनिक बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

किसानों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने और फसलों का डिजिटल सर्वे कराने के लिए डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत 154 करोड़ रुपये की योजना को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी थी।

बिहार में पुलिस वैन की टक्कर में युवक की मौत के बाद बवाल, पथराव में 8 पुलिसकर्मी जख्मी

नालंदा , एजेंसी। बिहार के नालंदा में पुलिस वाहन की टक्कर में बाइक सवार युवक की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए। मामला हरनौत थाना क्षेत्र चेरन पुल के पास का है। देर शाम मृतक का शव पोस्टमार्टम के बाद जब गांव पहुंचते ही परिजन और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। रूपसपुर गांव स्थित जीडीएम कॉलेज के पास NH-20 पर शव रखकर शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देखते ही देखते उग्र आंदोलन में बदल गया।

प्रदर्शन के दौरान पथराव : लगभग तीन घंटे तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन पूरी तरह ठप रहा और पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। प्रदर्शनकारियों ने बीच सड़क पर टायर जलाकर आगजनी की तथा पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। स्थिति तब और बिगड़ गई जब आक्रोशित भीड़ ने सड़क पर खड़ी कई गाड़ियों पर ईंट, पत्थर से हमला शुरू कर दिया। जिससे कई निजी एवं पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जाम में फंसे यात्रियों में भी अफरा-तफरी मच गई। पथराव की चपेट में आने से एक महिला बेहोश हो गई, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

पुलिस ने किया लाठीचार्ज : मृतक युवक की पहचान कल्याण बिगहा थाना क्षेत्र के महतवर-बलवापर गांव निवासी पिंकू यादव के 22 वर्षीय पुत्र प्रद्युम्न कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद दिन में भी लोगों ने सड़क जाम किया था, जिसे वरीय अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त कराया गया था। लेकिन पुलिस की पहल पर जाम हटा दिया गया था। अधिकारियों ने पहले प्रदर्शनकारियों को समझाने और शांतिपूर्ण तरीके से सड़क खाली कराने का प्रयास किया, लेकिन जब स्थिति नियंत्रण से बाहर होती चली गई और पथराव तेज हो गया, तब पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया।

कई पुलिसकर्मी पथराव में जख्मी : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पुलिस ने लाठीचार्ज किया तथा आंसू गैस के गोले भी छोड़े। घटनास्थल पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। पथराव के दौरान पुलिसकर्मियों को भी चोटें आने की सूचना है। घटना के संबंध में सदर डीएसपी 2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि सड़क हादसे में घायल युवक की मौत के बाद समझाबुझाकर जाम हटा दिया गया था।

एयरफोर्स से रिटायर्ड कपल निकले साइबर ठगी के मास्टरमाइंड !

91 शिकायतों के बाद बिहार पुलिस ने दबोचा

मधुबनी, एजेंसी। बिहार के मधुबनी जिले में साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नगर थाना और साइबर थाना की संयुक्त कार्रवाई में एयरफोर्स से सेवानिवृत्त एक दंपती को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि दोनों संगठित साइबर ठगी गिरोह से जुड़े थे और समूह लोन दिलाने का झांसा देकर महिलाओं के बैंक खातों का इस्तेमाल करोड़ों रुपये की साइबर धोखाधड़ी में करते थे।

मामले की शुरुआत नगर थाना क्षेत्र के हराजगंज गुड्डी गाछी वार्ड संख्या-27 की एक महिला की शिकायत से हुई। पीड़िता ने साइबर ठगी की शिकायत साइबर थाना में दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद साइबर थाना ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया।

जांच के दौरान मिले तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने रहिका थाना क्षेत्र में छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान विजय चंद्र पाल और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया गया। विजय चंद्र पाल एयरफोर्स से सेवानिवृत्त बताए जाते हैं। पुलिस दोनों से पूछताछ कर साइबर नेटवर्क के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस की तलाशी में आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में बैंकिंग और पहचान संबंधी दस्तावेज मिले। बरामद सामान में 53 बैंक पासबुक, 47 चेकबुक, 22 मुहर (सील) और 4 मोबाइल फोन शामिल हैं। सभी सामान को जब्त कर फॉरेंसिक और तकनीकी जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है।

देश के कई राज्यों से जुड़े मिले तार : पुलिस के अनुसार, आरोपियों के संपर्क असम, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक सहित कई राज्यों में सक्रिय साइबर अपराधियों से होने की आशंका है। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों से जुड़े बैंक खातों पर अब तक 91 साइबर शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। इन शिकायतों की प्रकृति और लेनदेन की विस्तृत जांच की जा रही है।गिरफ्तार दंपती को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं और इनके आधार पर गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि साइबर ठगी के इस नेटवर्क का संचालन कितने समय से किया जा रहा था और इसमें अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

बंटी यादव हत्याकांड के मुख्य आरोपी का 'हाफ एनकाउंटर',

पुलिस पर की थी ताबड़तोड़ फायरिंग

पटना , एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में बंटी यादव हत्याकांड का मुख्य आरोपी हाफ एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार किया गया है। गुरुवार को एनकाउंटर करीब सुबह के तीन बज रहे थे। जिस अपराधी की कई दिनों से तलाश थी, आखिरकार वह पुलिस के सामने था। पुलिस को देखते ही उसने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में चली पुलिस की गोली उसके दाहिने पैर में लगी और बंटी यादव हत्याकांड का मुख्य आरोपी रवीश कुमार उर्फ बीसी आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आ गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि बंटी यादव हत्याकांड का फरार मुख्य आरोपी रवीश उर्फ बीसी बुद्धा कॉलोनी इलाके में छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही बुद्धा कॉलोनी थाना पुलिस और डीआईयू की टीम ने संयुक्त रूप से इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की। जैसे ही पुलिस टीम आरोपी के करीब पहुंची, उसने बच निकलने की कोशिश में ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। बताया जा रहा है कि अपराधी की एक गोली पुलिस वाहन के बोनट पर जा लगी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की।

जवाबी कार्रवाई में रवीश उर्फ बीसी के दाहिने पैर में गोली लगी। घायल होने के बाद पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया और तत्काल इलाज के लिए पटना पीएमसीएच भेजा, जहां उसका उपचार जारी है। मुठभेड़ स्थल से पुलिस ने एक हथियार भी बरामद किया है। हथियार को फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा जा रहा है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पुलिस टीम पर फायरिंग इसी हथियार से की गई थी या नहीं। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही लॉ एंड ऑर्डर एएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद, फॉरेंसिक टीम, कोतवाली थाना पुलिस और डीआईयू के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जांच में जुटी है।

गौरतलब है कि करबिगहिया निवासी कारोबारी बंटी यादव का 6 जुलाई की रात कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर के पास से अपहरण कर लिया गया था। पांच दिन बाद 11 जुलाई को उसका शव अथमलगोला थाना क्षेत्र के एक खेत से बरामद हुआ था।

पुलिस जांच में सामने आया था कि अवैध शराब के कारोबार से होने वाली कमाई में हिस्सेदारी को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद बंटी यादव की हत्या कर शव को ठिकाने लगा दिया गया। इस मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी पहले ही हो चुकी है, जबकि मुख्य आरोपी रवीश उर्फ बीसी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार रवीश उर्फ बीसी के खिलाफ पटना के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी और अन्य गंभीर अपराधों के कई मामले दर्ज हैं। अधिकारियों का मानना है कि उससे पूछताछ में बंटी यादव हत्याकांड के साथ-साथ उसके आपराधिक नेटवर्क और अन्य वारदातों से जुड़े कई अहम खुलासे हो सकते हैं।

बिहार में रिकॉर्ड 3,268 राजस्व कर्मचारियों का तबादला

पटना, एजेंसी। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने इस साल प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। विभाग ने कंप्यूटरीकृत प्रणाली का उपयोग करते हुए एक साथ रिकॉर्ड 3,268 राजस्व कर्मचारियों के तबादले की अधिसूचना जारी की है। विभागीय मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल की मंजूरी के बाद स्थानांतरण का यह आधिकारिक आदेश जारी किया गया।

ऑनलाइन वरीयता को बनाया आधार : स्थानांतरण की इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए 'बिहार भूमि पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इस बार पोस्टिंग के लिए पैरवी के बजाय दूरी और मानवीय प्राथमिकताओं को आधार बनाया गया। सूची में सबसे पहली प्राथमिकता घर से दूरी को दी गई। इसके बाद महिला कर्मियों, दिव्यांगों, गंभीर रूप से बीमार कर्मचारियों तथा उन दंपतियों को वरीयता मिली जो दोनों ही सरकारी सेवा में कार्यरत हैं।

इच्छा के अनुसार मिली पोस्टिंग : इस महा-तबादले की सूची में 3,142 पुरुष और 126 महिला कर्मचारी शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार प्रथम विकल्प के रूप में 1,712 पुरुष और 108 महिलाओं को उनकी पहली पसंद की जगह मिली है। अन्य विकल्प के रूप में 380 कर्मचारियों को दूसरी और 141 को उनकी तीसरी पसंद का क्षेत्र आवंटित हुआ है। जबकि पड़ोसी जिले के करीब 880 कर्मचारियों को उनके गृह जिले के ठीक बगल वाले जिले में तैनात किया गया है।

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग अक्सर तबादलों को लेकर विवादों और चर्चाओं में रहता था। इस पर रोक लगाने के लिए मंत्री दिलीप जायसवाल ने तकनीक आधारित नई व्यवस्था को अपनाया, जिसे उन्होंने अधिक निष्पक्ष और भरोसेमंद बताया है।

बांकीपुर उपचुनाव: प्रिया किन्नर का नामांकन रद्द, बोलीं- साजिश हुई, कोर्ट जाऊंगी

पटना, एजेंसी। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में नामांकन रद्द होने के बाद थर्ड जेंडर की प्रत्याशी प्रिया किन्नर ने जिला प्रशासन और सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बुधवार को पटना में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि एक जगह हस्ताक्षर नहीं होने के आधार पर उनका नामांकन रद्द कर दिया गया, जबकि यह चूक अधिकारियों की थी। उन्होंने दावा किया कि चुनाव लड़ने के उनके अधिकार को साजिश के तहत छीना गया है। प्रिया ने कहा कि वह इस फैसले को अदालत में चुनौती देंगी और जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगी।

अधिकारियों ने नहीं बताया, फिर गलती मेरी कैसे?': प्रिया किन्नर ने कहा कि नामांकन दाखिल करने के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारी मौजूद थे और वही बता रहे थे कि कहां-कहां हस्ताक्षर करने हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि उन्होंने सभी जरूरी स्थानों पर हस्ताक्षर किए थे। यदि किसी एक जगह हस्ताक्षर छूट भी गया था तो वहां मौजूद अधिकारियों की जिम्मेदारी थी कि वे तत्काल इसकी जानकारी देते। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दो-दो अधिकारी नामांकन की प्रक्रिया देख रहे थे तो इतनी छोटी गलती पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया।

फोन कर बुलाते तो तुरंत पहुंच जाती': प्रिया ने कहा कि वह नामांकन के बाद भी पटना में ही मौजूद थीं। अगर प्रशासन को किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर की जरूरत थी तो उन्हें फोन कर बुलाया जा सकता था। उन्होंने कहा कि वह तुरंत पहुंचकर हस्ताक्षर कर देतीं। उनके अनुसार, इतनी छोटी तकनीकी कमी के आधार पर नामांकन रद्द करना उचित नहीं है और इससे साफ लगता है कि उन्हें चुनाव मैदान से बाहर करने की कोशिश की गई।

विषय बनी हुई थी और उन्हें लोगों का अच्छा समर्थन मिल रहा था। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से कुछ लोगों ने साजिश के तहत उनका नामांकन रद्द कराया। उन्होंने कहा कि एक हस्ताक्षर का हवाला देकर उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया गया, जबकि यह गलती उनकी नहीं बल्कि पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे अधिकारियों की थी।

अपराधियों को राहत लेकिन मुझे रोक दिया गया': प्रिया ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि कई बार गंभीर मामलों में आरोपित लोगों को कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए राहत मिल जाती है और वे मंत्री तक बन जाते हैं, लेकिन एक पढ़ी-लिखी किन्नर को केवल एक हस्ताक्षर के आधार पर चुनाव लड़ने से वंचित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि समाज में किन्नर समुदाय का हक पहले भी मारा जाता रहा है और इस बार भी उनके साथ वैसा ही हुआ है।

हाईकोर्ट जाने की तैयारी: प्रिया किन्नर ने कहा कि वह इस मामले में चुप बैठने वाली नहीं हैं। उन्होंने ऐलान किया कि सबसे पहले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जाएगा। यदि वहां से राहत नहीं मिली तो सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने से पहले उन्हें न्याय मिलेगा और उनका नामांकन बहाल किया जाएगा, ताकि वह चुनाव लड़ सकें।

फिलहाल किसी उम्मीदवार को समर्थन नहीं': प्रिया ने स्पष्ट किया कि फिलहाल वह बांकीपुर उपचुनाव में किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किन्नर समाज उसी प्रत्याशी का साथ देगा जो उनके अधिकारों की बात करेगा और उनके साथ हुए कथित अन्याय को गलत बताएगा। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल उनके चुनाव लड़ने की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और किन्नर समाज के सम्मान की भी है।

10 प्रत्याशियों के नामांकन हुए रद्द: गौरतलब है कि बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जांच के दौरान कुल 10 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र रद्द कर दिए गए हैं। इनमें थर्ड जेंडर की एकमात्र प्रत्याशी प्रिया किन्नर भी शामिल हैं। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, उनके नामांकन पत्र में एक स्थान पर आवश्यक हस्ताक्षर नहीं होने के कारण नामांकन निरस्त किया गया। अब प्रिया किन्नर ने इस निर्णय को न्यायालय में चुनौती देने की तैयारी शुरू कर दी है।

संक्षिप्त समाचार

लायंस क्लब ने लगाए 100 पौधे, दाना-पात्र भी बांटे

आगरा, एजेंसी। पर्यावरण संरक्षण और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का संदेश देने के लिए लायंस क्लब आगरा प्रयास ने पालीवाल पार्क में 100 बोगनविलिया के पौधे लगाए। इस अभियान में पक्षियों के लिए दाना-पात्र, सीड्स बॉल और कपड़े के थैले भी वितरित किए गए। मुख्य अतिथि डॉ. सीमा प्रताप सिंह (आयुक्त आगरा की पत्नी) ने पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। पूर्व अध्यक्ष अशु मित्तल ने बताया कि कम पानी में चलने वाला बोगनविलिया पर्यावरण के साथ सुंदरता भी बढ़ाता है। क्लब अध्यक्ष गीतिका अग्रवाल ने सभी से पौधों की सुरक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस दौरान संस्थापक अध्यक्ष संजीव मित्तल, आलोक अग्रवाल, विनीत खेरा, रुचि बगला, रूपाली अग्रवाल, पुनीत बगला, गरिमा हेमदेव, राजेश हेमदेव, प्रदीप खंडेलवाल आदि मौजूद रहे।

शादी की रस्मों से पहले परंपराओं का रियाज

अलीगढ़, एजेंसी। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता के दौर में जहां पारिवारिक परंपराएं धीरे-धीरे सीमित होती जा रही हैं, वहीं शहर की युवतियां विवाह से पहले परंपराओं का रियाज कर रही हैं। घनश्यामपुरी स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में इन दिनों ढोलक की थाप, बन्ना-बन्नी और मांगलिक गीतों की गूंज सुनाई दे रही है। यहां युवतियां ढोलक वादन, पारंपरिक लोकगीत और सांस्कृतिक नृत्य का प्रशिक्षण लेकर शादी से जुड़ी रस्मों और रीति-रिवाजों को सीख रही हैं। प्रशिक्षण केंद्र में विवाह, हल्दी, मेहंदी और अन्य मांगलिक अवसरों पर गाए जाने वाले पारंपरिक लोकगीतों के साथ ढोलक की विभिन्न तालों का अभ्यास कराया जा रहा है। प्रशिक्षकों का कहना है कि पहले बेटियां ये परंपराएं घर-परिवार के बुजुर्गों से सहज रूप से सीख जाती थीं, लेकिन बदलते परिवेश और एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण अब इसके लिए अलग से प्रशिक्षण लेना पड़ रहा है। यही वजह है कि विवाह से पहले युवतियां इन कलाओं को सीखकर ससुराल में पारिवारिक और सांस्कृतिक आयोजनों में आत्मविश्वास के साथ भागीदारी निभाना चाहती हैं। प्रशिक्षिका पायल मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में उनके केंद्र पर 10 से 15 युवतियां नियमित प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्हें पारंपरिक विवाह गीत, मंगल गीत, ढोलक वादन और सांस्कृतिक नृत्य की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। उनका कहना है कि इस पहल का उद्देश्य केवल कला सिखाना नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और लोक परंपराओं से जोड़ना भी है। प्रशिक्षण ले रहीं युवतियां भी पूरे उत्साह के साथ इन विधाओं को सीख रही हैं, ताकि विवाह के बाद वे अपनी सांस्कृतिक पहचान और पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ा सकें।

स्टेडियम में खुले तार, उखड़ा प्लास्टर, टूटे पंखे, हॉल में सीलन

आगरा, एजेंसी। जिलाधिकारी ने बुधवार को एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम का निरीक्षण किया। स्टेडियम में चल रहे निर्माण में खामियां मिलीं। बिजली के तार खुले पड़े थे। दीवारों से प्लास्टर उखड़ रहा था। टीटी हॉल में सीलन थी। पंखे तक टूटे मिले। डीएम ने बिना जांच ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने हिदायत दी कि निर्माण सामग्री की जांच और सक्षम स्तर से अनुमोदन के बाद ही ठेकेदारों को भुगतान किया जाए। निरीक्षण के दौरान स्टेडियम में महिला और पुरुष शौचालयों की फिनिशिंग अधूरी थी। टेबल टेनिस हॉल की दीवारों पर सीलन थी और पेंटिंग का कार्य अधूरा मिला। ताइक्वांडो भवन का निर्माण भी पूरा नहीं था। परिसर में खुले बिजली के तार देखकर डीएम ने कड़ी आपत्ति जताते हुए इन्हें तत्काल सुरक्षित रूप से भूमिगत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा खराब लाइटें, उखड़ा प्लास्टर, टूटे पंखे और दरवाजों को भी तुरंत दुरुस्त करने या बदलने को कहा। डीएम ने अधिकारियों से निर्माण कार्यों, आर्किटेक्ट और ठेकेदार को हुए भुगतान के अभिलेख भी तलब किए। उन्होंने कार्यदायी संस्था को फर्श में केवल उच्च मानक वाली टाइल्स प्रयोग करने की हिदायत दी। जिलाधिकारी ने मुख्य परिसर का कायाकल्प करने, गोल्फ कोर्ट और हॉकी मैदान को विकसित करने तथा फुटपाथ निर्माण के निर्देश दिए। शूटिंग रेंज के कार्यों के लिए मानकों के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

631 करोड़ से संवरेगा नाइट सफारी का पहला चरण

गुफा जैसा दिखेगा मुख्य द्वार

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। कुकरैल में बनने वाली बहुप्रतीक्षित और अत्याधुनिक नाइट सफारी के निर्माण को सुप्रीम कोर्ट ने हरी झंडी दे दी है। करीब 855 एकड़ में फैली इस भव्य परियोजना के पहले चरण को प्रदेश सरकार से पहले ही मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए 631 करोड़ रुपये का बजट भी स्वीकृत किया जा चुका है। अब कोर्ट के फैसले के बाद वन विभाग अगस्त में शिलान्यास कराने की तैयारी में है।

परियोजना के जारी मॉडल के अनुसार, नाइट सफारी का मुख्य द्वार बेहद खास गुफा के आकार का होगा। द्वार को पत्थर और लकड़ी के पारंपरिक लुक से सजाया जाएगा, जिस पर हाथी, शेर, हिरण और अन्य वन्यजीवों की आकृतियां उकेरी जाएंगी। प्रवेश करते ही दर्शकों को कृत्रिम झरनों के बीच बैठने की जगह मिलेगी। इसे इस तरह तैयार किया जा रहा है कि दर्शकों को किसी पहाड़ी दर्रे और चारों तरफ बहते झरनों के बीच होने का एहसास हो।

सड़क और पार्किंग की होगी सुविधा

मुख्य द्वार से अंदर की तरफ लगभग एक किमी लंबी शानदार फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। परिसर के अंदर ही 200 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग होगी। पूरे परिसर को इस तरह से डिजाइन किया जा रहा है कि पर्यटकों को दिन और रात के अंतर का पता ही न चले।

पर्यटकों के लिए सफारी के अंदर बेहद उच्चस्तर और लग्जरी व्यवस्थाएं होंगी।

500 से 1000 रुपये टिकट की कीमत

सफारी में प्रवेश के लिए टिकट की दरें 500 रुपये से लेकर 1000 रुपये के बीच रखने की योजना है। सामान्य दिनों में रोजाना 4,000 दर्शक और विशेष त्योहारों या अवसरों पर एक साथ 8,000 दर्शक नाइट सफारी का आनंद ले सकेंगे। कुकरैल सफारी पार्क के निदेशक राम कुमार के अनुसार, हरी झंडी मिलने के बाद अब पहले चरण के काम को दो साल के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

206 करोड़ का बजट जारी, डीपीआर भी तैयार

कुकरैल नाइट सफारी के निदेशक रामकुमार ने बताया कि नाइट सफारी के निर्माण कार्य के लिए 206 करोड़ का बजट जारी हो चुका है। इसकी डीपीआर भी तैयार है और निर्माण के लिए ठेकेदार का चयन भी कर लिया गया है। बृहस्पतिवार को आदेश की प्रति का अध्ययन करने के साथ ही इसे विभाग की वेबसाइट पर अपडेट किया जाएगा। इसके बाद, विभागीय मंत्री और अधिकारियों के साथ बैठक कर निर्माण कार्य की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

आठ महीने की पावर ऑफ अटॉर्नी एक दिन में निरस्त, 50 करोड़ की जमीन हड़पने के मामले की जांच शुरू

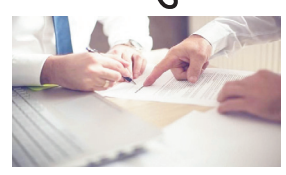

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी कमिश्नरेट के रोहनिया थाना क्षेत्र के मोहनसराय में सेवानिवृत्त शिक्षक ओमप्रकाश मिश्रा की करीब 50 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन को कथित तौर पर धोखे से दानपत्र और फिर बिक्री विलेख (रजिस्ट्री) के जरिए हड़पने के मामले की जांच रोहनिया थाने के विवेचक ने शुरू कर दी है। ओमप्रकाश के अधिवक्ता ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित की बहू के नाम आठ महीने पुरानी पावर ऑफ अटॉर्नी को एक ही दिन में निरस्त कराया। इसके बाद शाम को भतीजे विशाल मिश्रा के नाम दानपत्र कराया गया और करीब सात घंटे बाद उसी जमीन की रजिस्ट्री भी करा दी गई।

उन्होंने कहा कि सामान्य परिवार की 50 करोड़ रुपये की जमीन का दानपत्र होने के कुछ ही घंटों के भीतर उसकी बिक्री हो जाना कई सवाल खड़े करता है। उनका आरोप है कि प्रभावशाली लोगों के दबाव के कारण चार महीने तक पीड़ित की थाने में सुनवाई नहीं हुई।

पीड़ित ओमप्रकाश मिश्रा के बेटे अभिषेक मिश्रा चिकित्सक हैं और मुरादाबाद में तैनात हैं। व्यस्तता के कारण उन्होंने करीब 50 करोड़ रुपये मूल्य की 70 बिस्वा जमीन की पावर ऑफ अटॉर्नी अपनी पत्नी के नाम कर दी थी, ताकि वह संपत्ति की देखभाल कर सकें। इस बीच 30 मार्च को ओमप्रकाश का मोतियाबिंद का ऑपरेशन हुआ।

इसके बाद किडनी की बीमारी के चलते भतीजे विशाल मिश्रा, घरेलू ड्राइवर रवि उपाध्याय और पूर्व परिचित वरुणापति उपाध्याय उन्हें डायलिसिस के लिए ले जाने लगे। आरोप है कि 7 अप्रैल को डायलिसिस और आयुष्मान कार्ड बनवाने के बहाने उन्हें अर्धबेहोशी की अवस्था में गंगापुर रजिस्ट्री कार्यालय ले जाया गया। शाम 4:38 बजे से 4:41 बजे के बीच विशाल मिश्रा ने जमीन का दानपत्र अपने नाम करा लिया।

चालक को झपकी आने से खाई में गिरी डबल डेकर बस, पांच यात्री घायल

आगरा, एजेंसी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तड़के चालक को नींद की झपकी आने से लखनऊ से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए करीब 15 से 20 फीट गहरी खाई में उतर गई। हादसे के समय बस में करीब 60 यात्री सवार थे। बस के नहीं पलटने से बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना में पांच यात्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची फतेहाबाद पुलिस व यूपीडा की टीम ने राहत एवं बचाव कार्य चलाकर घायलों को सीएचसी फतेहाबाद में भर्ती कराया। हादसे के बाद चालक बस छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक लखनऊ से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस बृहस्पतिवार सुबह करीब चार बजे थाना फतेहाबाद क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 35.500 पर पहुंची थी। इसी दौरान चालक को नींद की झपकी आ गई, जिससे बस आगे चल रहे अज्ञात वाहन से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर डिवाइडर तोड़ते हुए खाई में उतर गई। हादसे के बाद बस में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

घायलों में अंकित यादव निवासी बछरावां (रायबरेली), हर्ष भारद्वाज निवासी पिलुआ (एटा), आयुष मिश्रा निवासी गोंडा, खालिद निवासी दिल्ली तथा सिद्धार्थ समेत पांच यात्री शामिल हैं। सभी का सीएचसी फतेहाबाद में उपचार कराया गया। अन्य यात्रियों को दूसरी बस से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

यूपीडा के सहायक सुरक्षा अधिकारी प्रथम सुधीश कुमार ने बताया कि चालक को नींद की झपकी आने से बस अनियंत्रित होकर खाई में जा खड़ी हुई।पांच यात्री घायल हुए है,जिनको सीएचसी में भर्ती गया है। वहीं पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

सरधना के पारस फर्नीचर में लगी भीषण आग

धू-धू कर जली दो मंजिला इमारत, छह घंटे में बुझाने में लगे

मेरठ, एजेंसी। सरधना में बिनौली रोड स्थित पारस फर्नीचर शोरूम में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने दो मंजिला शोरूम को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की कई गाड़ियों ने करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

प्रभात नगर निवासी व्यापारी संजीव जैन का शिव चौक के पास पारस फर्नीचर के नाम से शोरूम है। बुधवार सुबह करीब छह बजे सामने स्थित चाय की दुकान के संचालक ने शोरूम से धुआं उठता देखा और इसकी सूचना दी। जब तक व्यापारी और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक आग पूरे शोरूम में फैल चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। आग की तीव्रता को देखते हुए मेरठ से अतिरिक्त दमकल वाहन भी बुलाने पड़े।

घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक शोरूम में रखा फर्नीचर, लकड़ी, प्लाई और अन्य सामान पूरी तरह जलकर नष्ट हो चुका था। आग से भवन को भी भारी क्षति पहुंची है। व्यापारी संजीव जैन ने बताया कि शोरूम में करीब एक करोड़ रुपये का फर्नीचर रखा था। भवन सहित कुल नुकसान दो करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। पुलिस और दमकल विभाग आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

आंखों के सामने जलते देखी वर्षों की मेहनत : बुधवार सुबह आया एक फोन संजीव जैन के परिवार के लिए जिंदगी का सबसे दर्दनाक संदेश लेकर आया। दुकान से धुआं निकलने की सूचना मिलते ही परिवार मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। परिवार के सदस्य अपनी आंखों के सामने वर्षों की मेहनत और कारोबार को जलते हुए देखते रहे।

आग की लपटें आसपास की दुकानों और इमारतों तक पहुंचने लगी थीं। शोरूम में लकड़ी और प्लाईवुड का भारी मात्रा में सामान होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी। स्थानीय लोगों ने दमकल कर्मियों के साथ मिलकर आग को अन्य प्रतिष्ठानों तक फैलने से रोकने में सहयोग किया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 30 महिलाओं को मिला रोजगार, सोलर दीदी बन संभालेंगी जिम्मेदारी; उत्साह

वाराणसी , एजेंसी। : भारत सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत संचालित सोलर दीदी अभियान के तहत वाराणसी में 30 महिलाओं को रोजगार प्रदान किया गया। आर्क सूर्य शक्ति प्राइवेट लिमिटेड की ओर से आयोजित चयन एवं नियुक्ति कार्यक्रम में चयनित महिलाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए। साथ ही उन्हें सौर ऊर्जा से संबंधित तकनीकी प्रशिक्षण, कार्य प्रणाली और जनजागरूकता अभियान से जुड़ी जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में आर्क सूर्य शक्ति प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अभिषेक सिंह चंचल ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि इस योजना के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण किसी भी विकसित राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है। सोलर दीदी अभियान महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका भी प्रदान कर रहा है। चयनित महिलाएं अब लोगों को योजना की जानकारी देंगी और सोलर संयंत्र लगाने के लिए प्रेरित करेंगी।

अभिषेक सिंह ने बताया कि आर्क परिवार फाउंडेशन समाज सेवा के अपने संकल्प के तहत सौर ऊर्जा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार कर रहा है। संस्था ऐसे परिवारों तक पहुंच रही है, जो जानकारी के अभाव या आर्थिक कारणों से सोलर संयंत्र नहीं लगवा पा रहे हैं। फाउंडेशन उन्हें प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, सरकारी सब्सिडी, बैंक ऋण और आवेदन प्रक्रिया की पूरी जानकारी देने के साथ आवश्यक मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराता है। जरूरतमंद परिवारों को संस्था अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक सहयोग भी प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि फाउंडेशन कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से उद्योग जगत को भी स्वच्छ ऊर्जा अभियान से जोड़ने का प्रयास कर रहा है। उनका मानना है कि सरकार, उद्योग, सामाजिक संस्थाओं और आम नागरिकों के संयुक्त प्रयास से ही भारत ऊर्जा आत्मनिर्भर और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार राष्ट्र बन सकता है। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाना केवल बिजली बिल कम करने का माध्यम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी भी है।

परीक्षा फॉर्म में गलत तरीके से रोल नंबर भरना पड़ा भारी, अनुपस्थित हो गए कई विद्यार्थी

वाराणसी, एजेंसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ की परीक्षा के फॉर्म में गलत तरीके से रोल नंबर भरने का मामला सामने आया है। इस वजह से बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय और कॉलेजों के विद्यार्थी परीक्षा देने के बाद भी अनुपस्थित हो गए। इस शिकायत के बाद अब विवि की परीक्षा नियंत्रक ने सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र भेजकर छात्रों को सही तरीके से ओएमआर शीट भरने के बारे में बताने को कहा है।

विवि में परीक्षा के दौरान छात्र-छात्राओं की ओर से कॉपी के पहले पेज पर रोल नंबर को गोला करना होता है। परीक्षा के समय विद्यार्थी कॉपी में अपने रोल नंबर को सही तरीके से गोला नहीं कर रहे हैं। रोल नंबर के जो गोले हैं, उन्हें विद्यार्थी या तो गलत तरीके से काला कर रहे हैं या अपूर्ण काला कर रहे हैं।

परीक्षा नियंत्रक दीप्ति मिश्रा ने बताया कि इस बारे में कई बार कॉलेजों को पत्र भेजा गया है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को ओएमआर शीट सही तरीके से भरवाने को कहा गया है। साथ ही कॉलेजों के प्राचार्यों को कॉपियों में होने वाली गलतियों की जानकारी के उद्देश्य से गलत रोल नंबर वाली कॉपियों का मॉडल भी भेजा है।

डीएसएस की पिटाई पर आरपीएफ कमांडेंट का बड़ा बयान, बोले- बाहरी लोग भड़का रहे

आगरा, एजेंसी। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर डिप्टी एसएस नरेंद्र सिंह चाहर की पिटाई मामले में पहली बार आरपीएफ की ओर से आधिकारिक बयान सामने आया। आरपीएफ कमांडेंट राजमोहन पिचाई ने बुधवार को मीडिया के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने पूरे घटनाक्रम पर दुख व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच करने का भरोसा दिलाया है। साथ ही डिजिटल साक्ष्यों और कर्मचारियों की भूमिका के आधार पर जल्द जांच पूरी कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की बात कही है।

आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर डिप्टी एसएस नरेंद्र सिंह चाहर की पिटाई का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जहां एक ओर इस घटना को लेकर रेलवे कर्मचारियों में आक्रोश है, वहीं दूसरी ओर आरपीएफ ने पहली बार अपना पक्ष मीडिया के सामने रखा है। बुधवार को आरपीएफ कमांडेंट राजमोहन पिचाई ने आरपीएफ थाने पर आयोजित प्रेसवर्ता में घटना से जुड़े सभी पहलू पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा की किसी भी सरकारी कर्मचारी के साथ ऐसा अमानवीय व्यवहार उचित नही है। उस समय ऐसे हालात क्यों बने, इसकी निष्पक्ष जांच होनी आवश्यक है। जिसके लिए जांच समिति गठित की जा चुकी है।

हीराकुंड एक्सप्रेस को रुकवाने में किस-किस कर्मचारी की क्या भूमिका रही, यह भी जांच का विषय है। लोको पायलट, रेलवे गार्ड और डिप्टी एसएस के बीच वॉकी-टॉकी पर क्या बात हुई, इस वार्तालाप को भी डिजिटल साक्ष्य के रूप में जांच में संकलित किया जाएगा। साथ ही घटना वाले दिन प्लेटफॉर्म के सीसीटीवी कैमरों के फोटो और वीडियो भी जांच में शामिल किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन में कुछ बाहरी व आसामाजिक लोगों की एंट्री हो गई है, जिससे पूरे प्रदर्शन को गलत दिशा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। रेल रोकने और चक्का जाम करने जैसी गतिविधियों के इनपुट भी आरपीएफ को मिले हैं। ऐसे लोगों पर आरपीएफ नजर बनाए हुए है और किसी भी कीमत पर ट्रेनों का चक्का जाम नही होने दिया जाएगा। कल भी डिप्टी एसएस नरेंद्र सिंह चाहर की बहन और पत्नी रेल रुकवाने के लिए पटरी पर लेट गई थीं। परिवार से मेरी अपील है कि धैर्य बनाए रखें। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी, जो भी दोषी पाया जाएगा। उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डीएसएस नरेंद्र सिंह चाहर का परिवार उनके साथ हुई मारपीट और आरपीएफ कर्मचारियों द्वारा किए गए अमानवीय व्यवहार से आहत है। डीएसएस की पत्नी ने आरोपी आरपीएफ कर्मियों द्वारा माफी मांगने की शर्त भी रखी थी। साथ ही उन्होंने मारपीट करने वाले आरपीएफ कर्मचारियों के बर्खास्तगी और गिरफ्तारी की मांग भी उच्च अधिकारियों के सामने रखी थी लेकिन मांग पूरी नही होने और आरोपियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नही होने के चलते मंगलवार को डीएसएस की बहन नीतू और पत्नी हरेंद्री चाहर पटरी पर लेट गई थीं। साथी कर्मचारी के साथ गलत व्यवहार होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर रेलवे यूनियनों ने भी मोर्चा खोल दिया।

डीआरएम और प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई वार्ता में भी यूनियन आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई पर अड़ी रही। जिनका नेतृत्व करने नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन के सचिव सुकेश यादव भी मंगलवार को आगरा पहुंचे थे। इस प्रदर्शन में रेलवे कर्मचारी संघ, एनसीआरएमयू, नॉर्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन और जाट महासभा के पदाधिकारी विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर लगातार मामले में आरोपियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। साथ ही घटना पर ऑल इंडिया रेलवे स्टेशन मास्टर एसोसिएशन का आंदोलन लगातार जारी है। वहीं रेलवे यूनियनों ने कार्रवाई में देरी होने की दशा में चक्का जाम, रेलवे ट्रैक उखाड़ने की चेतावनी दी है, जिसे लेकर रेलवे के उच्च अधिकारियों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं।

यह थी घटना : 12 जुलाई की सुबह डिप्टी स्टेशन सुपरिटेंडेंट नरेंद्र सिंह चाहर और आरपीएफ जवानों के बीच विवाद के बाद मारपीट की घटना हुई थी। नरेंद्र सिंह ने आरपीएफ पर यात्रियों से रुपये वसूल करने का आरोप लगाया था, जिस पर आरपीएफ के कर्मचारी डिप्टी एसएस नरेंद्र सिंह चाहर को मारपीट करते हुए थाने तक घसीट ले गए थे। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। घटना की गंभीरता को देखकर फतेहपुर सीकरी सांसद राजकुमार चाहर भी आगरा कैंट स्टेशन पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। जिसके बाद से पूरा मामला सुर्खियों में बना हुआ हैं। उक्त मामले में अरोपी दो एएसआई और दो कांस्टेबल निलंबित किए जा चुके हैं। पूरे मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी गई है।

राम मंदिर दान मामले में अयोध्या पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रिमांड के दौरान कई अहम सबूत जुटाने का दावा

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। राम मंदिर में दान की कथित चोरी और गबन के मामले में जेल में बंद रामाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव की पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर कर ली गई है। अयोध्या पुलिस आज दोनों आरोपियों को 14 घंटे की कस्टडी में लेगी। संभावना है कि उन्हें जेल से अयोध्या रिजर्व पुलिस लाइन्स लाया जाएगा, जहां उनसे विस्तार से पूछताछ की गई। बुधवार की सुबह 8 बजे आरोपी रामाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव को कस्टडी में लिया गया। अयोध्या पुलिस से पूछताछ लंबी चली। दोनों आरोपियों को रात 9 बजे वापस जेल में ले जाकर छोड़ा गया।

सुभाष श्रीवास्तव के पास कुछ नहीं मिला

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी सुभाष श्रीवास्तव के पास से पुलिस को कुछ नहीं मिला। लेकिन उससे भी घंटों पूछताछ की गई। पुलिस कुछ तथ्यों को वैरिफाइ करने के लिए पूछताछ कर रही है। रामाशंकर मिश्रा की तरह अयोध्या पुलिस सुभाष श्रीवास्तव को भी उसके ठिकाने पर ले गई और उससे पूछताछ की। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोपी सुभाष श्रीवास्तव एक रिटायर्ड बैंक कर्मचारी है। वो मंदिर के नकदी गिनने के कामों की देखता था। रामाशंकर मिश्रा की जिम्मेदारी दान में मिले चढ़ावे को काउंटिंग रूम तक ले जाना था। उसे 5 साल पहले उसे राम मंदिर में नौकरी पर रखा गया था। शुरुआत में वह राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं की फोटो खींचकर पैसे कमाता था, बाद में उसे चढ़ावे को काउंटिंग रूम तक ले जाने की जिम्मेदारी दी गई थी। रामाशंकर के पिता और भाई से भी पुलिस ने काफी देर तक पूछताछ की। पुलिस को उसके एक फोटोग्राफर दोस्त की भी जानकारी मिली, जिससे पुलिस ने पूछताछ की। पुलिस ने जांच और पूछताछ के बाद रामाशंकर मिश्रा का कमरा सील कर दिया।

रामाशंकर मिश्रा ने खोले कई राज

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में आरोप है कि रामाशंकर मिश्रा भी अनुकल्प मिश्रा के साथ मिला हुआ था। दोनों मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। सूत्रों के अनुसार, पुलिस की पूछताछ में रामाशंकर मिश्रा ने अपने सारे राज धीरे-धीरे खोल दिए। पुलिस पूछताछ में रामाशंकर ने कहा, 'कभी नहीं सोचा था कि ये सब सामने आ जाएगा।' आपको जानकारी दें, कि रामाशंकर मिश्रा के पास से 7 लाख 32 हजार रुपये पुलिस ने बरामद किए थे। कैश के अलावा उसके पास से चांदी के सिक्के और गहने भी पाए गए थे। अयोध्या पुलिस से पूछताछ में खुलासा हुआ कि उसने भी जमीन में पैसे लगाए थे। राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य दिनेन्द्र दास ने राम मंदिर परिसर का दौरा किया। उन्होंने भगवान राम की पूजा-अर्चना और आरती की तथा यात्री सेवा केंद्र का निरीक्षण किया। पुलिस ने सुभाष श्रीवास्तव और रामाशंकर मिश्रा दोनों के लिए अलग-अलग सवालों की लिस्ट बना रखी थी। दोनों आरोपियों से इसी आधार पर पूछताछ की गई। रामाशंकर मिश्रा से पूछताछ के बाद अयोध्या पुलिस उसे किराए के मकान पर ले गई और वहां से पुलिस ने कुछ डॉक्यूमेंट्स बरामद किए। रामाशंकर के घर पर लगे पुलिस ने अपने जब्त किया।

कर्नाटक के धारवाड़ में डॉक्टर की चाकू घोंपकर हत्या, बेटा गंभीर रूप से घायल, जांच में जुटी पुलिस

धारवाड़, एजेंसी। शहर के बाराकोटरी रोड पर रांका स्टेलो अपार्टमेंट में बुधवार को एक डॉक्टर की चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई. हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है. डॉक्टर के बेटे भी घायल हैं. मौके पर डॉक्टर की पत्नी मौजूद थी. डॉक्टर किरण चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी गई. वह एक प्राइवेट हॉस्पिटल में एनेस्थिसियोलॉजिस्ट थे. वहीं, उनके बेटे पर भी खौफनाक हमला किया गया. वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे तुरंत हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया. फिलहाल आरोपी के बारे में कोई जानकारी नहीं है. साथ ही, घटना की वजह भी अभी तक सामने नहीं आई है. यह घटना धारवाड़ सबअर्बन पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई. सूचना मिलते ही सबअर्बन पुलिस स्टेशन पुलिस और सिटी पुलिस कमिश्नर शशि कुमार और दूसरे अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच की. डॉक्टर डॉ. किरण की हत्या के बारे में हुबली-धारवाड़ ट्विन सिटी के पुलिस कमिश्नर एन. शशि कुमार ने मीडिया को जवाब देते हुए कहा कि उनके रिश्तेदारों से अब तक कुछ जानकारी मिली है. जब रिश्तेदारों ने फोन किया तो उनकी पत्नी ने कहा कि वह आराम कर रही हैं. मृतक डॉक्टर किरण चिरायु हॉस्पिटल में एनेस्थिसियोलॉजिस्ट थे. उनकी पत्नी आंखों की डॉक्टर है. जब शाम तक उन्होंने फोन नहीं उठाया तो रिश्तेदारों ने शक जताया और घर आकर देखा तो डॉ. किरण खून से लथपथ पड़े थे. बच्चा भी घायल था. उन्होंने कहा कि उन्हें जिंदा होने की वजह से हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था.

संक्षिप्त समाचार

2 करोड़ रुपये से ज्यादा का सामान और हजारों लीटर दूध जब्त

पुणे, एजेंसी। खाने-पीने की चीजों में मिलावट के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस और फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने पुणे जिले में दूध में मिलावट करने वाले एक अंतर-जिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 2 करोड़ रुपये से ज्यादा का सामान जब्त किया गया है। पुणे रूरल पुलिस और एफडीए ने मिलकर मंचर (जिसे इस रैकेट का मुख्य केंद्र माना जाता है) के साथ-साथ अकलूज, अहिल्यानगर, सिल्लोड और सांगली में छापे मारे। यह ऑपरेशन पुणे रूरल लोकल क्राइम ब्रांच की 30 सदस्यों वाली टीम ने चलाया जिसमें 20 से ज्यादा एफडीए अधिकारियों ने मदद की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सिंथेटिक दूध के गैर-कानूनी उत्पादन और सप्लाई की विस्तृत जांच के बाद की गई। जांच में शामिल एक अधिकारी ने कहा कि यह रैकेट कई जिलों में चल रहा था और बड़े पैमाने पर बाजार में मिलावटी दूध सप्लाई कर रहा था। पुणे जिले में एफडीए की टीमों ने सोलापुर के सांगोला में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से दूध ले जा रहे एक टैंकर की जांच की। दूध के सैंपल लिए गए और मिलावट के शक में 28,498 लीटर दूध जब्त किया गया क्योंकि यह खराब होने वाली चीज थी, इसलिए इसे नष्ट कर दिया गया। अहिल्यानगर के एक कलेक्शन सेंटर से भी मिलावट के शक वाला 24,498 लीटर दूध जब्त करके नष्ट किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, गलत लेबलिंग, मिलावट और फूड सेफ्टी नियमों के उल्लंघन के शक में 92,000 किलोग्राम से ज्यादा अलग-अलग तरह के खाने-पीने के सामान जब्त किए गए। जांचकर्ताओं को पता चला है कि आरोपी ग्राहकों को सप्लाई करने से पहले हर 1000 लीटर असली दूध में लगभग 500 लीटर केमिकल से बना सिंथेटिक दूध मिलाते थे। अधिकारियों ने बताया कि सिंथेटिक दूध केमिकल, मिल्क पाउडर, शैम्पू और अन्य चीजों का इस्तेमाल करके बनाया जाता था। एफडीए के एक अधिकारी ने कहा कि इस काम से सेहत को गंभीर खतरा है।

73 बांग्लादेशी गिरफ्तार, क्यू सेल और सेंट्रल इंटेलिजेंस यूनिट की कार्रवाई

होसुर, एजेंसी। कृष्णगिरि जिले के औद्योगिक शहर होसुर में पुलिस ने 73 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है, जो भारत में अवैध तरीके से रह रहे थे. फिलहाल पुलिस उनकी जांच कर रही है. पुलिस के मुताबिक, बांग्लादेशी नागरिक बिना वैध कागजात के होसुर और उसके आस-पास के इलाकों में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे थे. होसुर में कई फैक्ट्रियां और कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है. वहां बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर काम कर रहे हैं. तमिलनाडु पुलिस विभाग के क्यू सेल और सेंट्रल इंटेलिजेंस यूनिट को खुफिया जानकारी मिली कि उनमें से कुछ लोग बिना सही डॉक्यूमेंट्स के पड़ोसी देश बांग्लादेश से सीमा पार कर आए हैं और गैर-कानूनी तरीके से रह रहे हैं. खुफिया जानकारी के आधार पर, केंद्रीय और राज्य इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने होसुर पुलिस के साथ मिलकर बुधवार सुबह-सुबह एक बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया. अधिकारियों द्वारा संदिग्ध जगहों पर की गई छापेमारी के दौरान, होसुर सिटी पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले ओन्नालवाड़ी और गोकुल नगर में रह रहे 56 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया. इसके बाद, नल्लूर अग्रहारा इलाके में की गई छापेमारी में 17 और बांग्लादेशी पकड़े गए. पुलिस अधिकारी और इंटेलिजेंस अधिकारी पकड़े गए 73 लोगों की गहन जांच कर रहे हैं. वे भारत में कैसे घुसे? वे कौन से एजेंट हैं जिन्होंने उनके लिए नकली डॉक्यूमेंट तैयार किए और उन्हें होसुर में रखा? क्या उनके पीछे असामाजिक गतिविधियों के लिए कोई साजिश है? इन सवालों के साथ अधिकारियों ने जांच तेज कर दी है.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को झटका: उल्हास नदी में बहा अस्थायी पुल, निर्माण में होगी देरी

मुंबई, एजेंसी। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट को इस माह की शुरुआत में हुई भारी बारिश का जोरदार झटका लगा है। दिवा और भिवंडी के बीच उल्हास नदी पर मुख्य रेलवे ब्रिज बनाने के लिए बनाया गया अस्थायी लोहे का पुल नदी के तेज बहाव में बह गया है। इससे मशीनरी, निर्माण सामग्री और मजदूरों की आवाजाही में रुकावट आई है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मुख्य पुल के निर्माण कार्य में कुछ महीनों की देरी होने की संभावना जताई है। मिली जानकारी के मुताबिक बुलेट ट्रेन के मुख्य पुल के निर्माण को लेकर लगभग 10 फीट चौड़ा एक अस्थायी लोहे का पुल बनाया गया था। इस पुल से मशीनरी, निर्माण सामग्री और मजदूरों को लाया- ले जाया जा रहा था। लेकिन, जुलाई महीने की शुरुआत में हुई भारी बारिश के कारण पुल उल्हास नदी के बाढ़ के पानी में बह गया। इस घटना के कारण, मुख्य पुल बनाने के लिए जरूरी मशीनरी और सामग्री को अभी काम की जगह तक ले जाना नामुमकिन हो गया है। इसके कारण, मुख्य पुल पर काम की रफ्तार थम गयी है। अस्थायी पुल को दोबारा बनने के बाद ही मुख्य पुल का निर्माण कार्य फिर से शुरू हो पाएगा। परियोजना के इस फेज में कुछ महीनों की देरी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

इसरो छोड़ रहे हैं अनुभवी वैज्ञानिक, एक साल में 100 से ज्यादा का इस्तीफा, सरकार ने कड़े किए नियम

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत का अंतरिक्ष विभाग इस समय बड़ी उथल-पुथल मची हुई है। इसरो के कई सीनियर साइंटिस्ट और टेक्निकल एक्सपर्ट इस्तीफा दे रहे हैं और प्राइवेट स्पेस कंपनियों की तरफ जा रहे हैं। एक के बाद एक पिछले एक साल में करीब 100 120 वैज्ञानिकों ने इस्तीफे दिए हैं। इसरो से वैज्ञानिकों के इस तरह के इस्तीफे को रोकने के लिए भारत सरकार ने बेहद सख्त कदम उठाया है। अंतरिक्ष विभाग ने एक नया निर्देश जारी किया है। जिसके तहत अब ऐसे किसी भी मामले को केंद्र स्तर पर सीधे मंजूरी नहीं मिलेगी, बल्कि अंतिम मंजूरी के लिए हेडक्वार्टर भेजा जाएगा। दरअसल, हाल ही में इस्तीफा देने वालों में गगनयान और चंद्रयान-3 जैसी बड़ी परियोजनाओं के कई प्रोजेक्ट डायरेक्टर और मैनेजर्स भी शामिल हैं। इसको लेकर सरकार का मानना है कि इस तरह अचानक काम छोड़ने से राष्ट्रीय स्तर के प्रोजेक्ट्स पर बुरा असर पड़ रहा है। जिसके चलते सरकार ने वैज्ञानिकों के इस्तीफे और स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के नियमों को बेहद सख्त बना दिया

गया है। हालांकि, इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने इसे सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया बताते हुए कहा है कि इससे परियोजनाओं को अचानक होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा वैज्ञानिकों के इस्तीफे रोकने के लिए 14 जुलाई को एक नया अंदरूनी फरमान जारी किया है। इंटरनल मेमोरेंडम में कहा गया है कि हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट्स से जुड़े 'ग्रुप ८' के साइंटिफिक और टेक्निकल स्टाफ के स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति या इस्तीफे के अनुरोधों को अब रूटीन के तौर पर आसानी से स्वीकार नहीं किया जाएगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि हाल के दिनों में नौकरी छोड़ने वाले वैज्ञानिकों की संख्या में आई तेजी के कारण राष्ट्रीय महत्व की बेहद महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर गंभीर असर पड़ा है। इसको लेकर सरकार ने निर्देशकों (डायरेक्टर्स) को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि जब तक संबंधित स्पेस मिशन पूरी तरह संपन्न नहीं हो जाते।

अमेरिका का नया सैन्य नियम: 30 पार कर चुके सैनिकों की होगी टेस्टोस्टेरोन स्क्रीनिंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बुधवार को एक घोषणा की है। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सैन्य कर्मियों की टेस्टोस्टेरोन की कमी के लिए जांच की जाएगी। यह उनकी वार्षिक स्वास्थ्य जांच का हिस्सा होगा। एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर हेगसेथ ने कहा कि वे सैनिकों के लिए स्क्रीनिंग होगा। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 'आपके पास अपनी पूरी क्षमता से काम करने के लिए टेस्टोस्टेरोन का सही स्तर हो'। जिन सैनिकों में टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम होगा, उन्हें स्वैच्छिक हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी की पेशकश की जाएगी। 30 वर्ष से कम आयु वालों के लिए परीक्षण वैकल्पिक होंगे। हेगसेथ ने यह साफ नहीं किया कि क्या यह स्क्रीनिंग महिलाओं पर भी लागू होगी या नहीं। जिनके टेस्टोस्टेरोन का स्तर भी उम्र बढ़ने के साथ घटता जाता है। हेगसेथ ने बुधवार के वीडियो में कहा, 'हम अपने योद्धाओं को दुनिया की सबसे बेहतरीन चिकित्सा देखभाल देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कार्यक्रम उस प्रतिबद्धता को पूरा करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'अपने दीर्घकालिक स्वास्थ्य का ख्याल रखने का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि आप मजबूत, लचीले और सक्षम बने रहें। न केवल अपनी अगली तैनाती के लिए, बल्कि अपनी बाकी जीवन के लिए भी, ताकि वर्दी उतारने के बाद भी आप लंबे समय तक फल-फूल सकें।' सेना में डॉक्टर के पर्चे के बिना कृत्रिम मांसपेशियों को बढ़ाने जैसे गैर-चिकित्सीय कारणों से टेस्टोस्टेरोन लेना सख्त वर्जित है। हेगसेथ ने वीडियो में कहा कि नया कार्यक्रम कृत्रिम संवर्धन के बारे में नहीं है। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने एक बयान में कहा कि टेस्टोस्टेरोन की कमी के लिए अनिवार्य स्क्रीनिंग 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी सक्रिय ड्यूटी और रिजर्व कंपोनेंट कर्मियों के लिए तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

यूएस ने ब्राजील पर लगाया 25% टैरिफ, लूला सरकार ने जताया विरोध, कहा- ये नियम का उल्लंघन

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूटीआर) ने ब्राजील से आयातित कुछ वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। यह फैसला व्यापारिक प्रथाओं की एक साल लंबी जांच के बाद, 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत लिया गया है। राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा के नेतृत्व वाली ब्राजील सरकार ने अमेरिका पर पलटवार करते हुए इस कदम को द्विपक्षीय संबंधों में एक दुखद मील का पत्थर और बहुपक्षीय व्यापार नियमों का उल्लंघन बताया।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ग्रीर ने क्या कहा?

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने गुरुवार को कहा, 'व्यापक सार्वजनिक सुनवाई और टिप्पणियों के साथ-साथ ब्राजील के अधिकारियों के साथ कई दौर की बातचीत की। इसके बाद, आज अमेरिकी व्यापार विभाग 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत ब्राजील की कुछ वस्तुओं पर 25% टैरिफ लगाकर कार्रवाई कर रहा है।'

अमेरिका ने ब्राजील पर क्यों लगाया टैरिफ?

यह कार्रवाई तब हुई है जब अमेरिका ने यह निष्कर्ष निकाला कि ब्राजील की कई व्यापार नीतियां अनुचित और भेदभावपूर्ण हैं, जो अमेरिकी व्यवसायों और श्रमिकों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को काफी हद तक बाधित करती हैं।

अमेरिकी व्यापार मंत्रालय की जांच में यह पाया गया कि डिजिटल व्यापार और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सेवाओं, अनुचित, तरजीही टैरिफ, भ्रष्टाचार विरोधी हस्तक्षेप, बौद्धिक संपदा संरक्षण, इथेनॉल बाजार पहुंच और अवैध वनों की कटाई से संबंधित कुछ ब्राजील के उपाय तर्कहीन हैं। अमेरिकी किसानों, श्रमिकों, नवोन्मेषकों और निर्यातकों के वाणिज्य पर बोझ डालते हैं या उसे प्रतिबंधित करते हैं। अमेरिकी

व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूटीआर) के एक बयान के अनुसार, कार्यालय ने दो सार्वजनिक सुनवाई आयोजित कीं, 360 से अधिक सार्वजनिक टिप्पणियां प्राप्त कीं और अमेरिकी चिंताओं के समाधान की तलाश में ब्राजील सरकार के साथ गहन बातचीत की। ग्रीर ने कहा, 'अनुचित व्यापार प्रथाओं के खिलाफ अमेरिकी आर्थिक हितों की रक्षा करना राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीतियों का आधार है। चाहे वह राजनीतिक भाषण पर सेंसरशिप लगाने से इनकार करने पर अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों को दंडित करना हो, भ्रष्टाचार विरोधी प्रवर्तन मे ढिलाई बरतना हो, या ब्राजील के किसानों को अमेरिकी किसानों पर लाभ प्राप्त करने के लिए अवैध रूप से काटी गई भूमि का दोहन करने की अनुमति देना हो, ब्राजील की अनुचित व्यापार प्रथाओं ने अमेरिकी श्रमिकों और उत्पादकों को 21 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं वाले इस महत्वपूर्ण बाजार तक पहुँचने से रोक दिया है।' अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि आज राष्ट्रपति ट्रम्प ने अमेरिकी विदेश मंत्रालय को अधिकांश ब्राज़ीलियाई आयात पर 25% टैरिफ लगाने का निर्देश दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि ऐसा क्यों किया गया? राष्ट्रपति लूला और उनकी सरकार ने अमेरिका के साथ सद्भावना से बातचीत नहीं की है।'

अमेरिका में भारतीय मूल के शख्स पर हमला

धर्म पूछकर चाकू से कई बार किया वार, हालात गंभीर; चश्मदीद ने बताया मंजर

यूटा, एजेंसी। अमेरिका के वैली फेयर मॉल में दोपहर में हुए एक क्रूर हमले में भारतीय मूल के एक मुस्लिम कर्मचारी को चाकू के कई घावों के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हाल ही में जारी किए गए अदालती दस्तावेजों के मुताबिक, संदिग्ध ने पुलिस के सामने साफ रूप से कबूल किया है कि वह पीड़ित की हत्या उसके इस्लामी धर्म के कारण करने का प्रयास कर रहा था। संदिग्ध की पहचान 48 वर्षीय पीटर माइकल लार्सन के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने सोमवार शाम को एक मॉल के स्टॉल पर पीड़ित सैयद सोहेल उद्दीन से संपर्क किया। हमला करने से पहले, लार्सन ने कर्मचारी से उसकी पहचान के बारे में पूछताछ की। लूना नुनेज, जो बाद में अस्पताल में पीड़ित से मिलने गई थीं। उनके अनुसार, बातचीत तनावपूर्ण सवालों से शुरू हुई। लार्सन ने कर्मचारी से पूछा, 'वह कहां से है, उसका नाम क्या है और क्या वह मुसलमान है।' झगड़े के तुरंत बाद, लार्सन ने चाकू निकाला और उस व्यक्ति पर बार-बार वार करने लगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हिंसा तभी रुकी जब मॉल में मौजूद साहसी लोगों ने मौके पर पहुंचकर लार्सन को जमीन

पर गिरा दिया और उसका हथियार छीन लिया।

पीड़ित के दोस्त ने क्या बताया?: भारतीय मूल के उद्दीन इस समय जीवन-मरण के बीच जूझ रहे हैं। उद्दीन के बॉस और करीबी पारिवारिक मित्र अदनान मोहम्मद ने चोटों की भयावहता का बारे में बताया कि उद्दीन के पूरे शरीर पर घाव हैं। एक आपातकालीन टीम उनके दिल की स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रही है। अपने मित्र के बच जाने पर मोहम्मद ने कहा कि उद्दीन का जीवित रहना एक चमत्कार है। हिंसा के व्यापक परिणामों ने स्थानीय समुदाय को भय के साये में डाल दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, हमले के बाद मोहम्मद ने अपनी सुरक्षा की भावना पर पड़े गहरे भावनात्मक आघात को व्यक्त किया। खासकर हमले के बाद के हालात देखने और ऑनलाइन नफरत भरे संदेशों का सामना करने के बाद। मोहम्मद ने बताया, 'मैं एक पिता हूं, और मुझे अपने बच्चों के लिए यहां सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा है। यह मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद डरावना है। यह दिल दहला देने वाला अनुभव है। मैंने बहुत खून देखा।' गिरफ्तारी के प्रत्यक्षदर्शियों को हमलावर की घोर दुर्भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। पास के लिड्स हैट स्टोर में कार्यरत सल्वाडोर मेंडेज़ ने उस भयावह क्षण को याद किया। जब पुलिस अधिकारियों ने संदिग्ध को इमारत से बाहर निकाला। मेंडेज ने बताया कि हमलावर खून से लथपथ था और उसने देखने वालों को खौफनाक निगाहों से घूरा। मेंडेज ने कहा, 'मैंने पहले कभी किसी को मुझे उस तरह से देखते हुए नहीं देखा। उसने आगे कहा कि वह हमें नफरत भरी नजरों से देख रहा था।' लार्सन को सोमवार शाम हत्या के प्रयास के संदेह में साल्ट लेक काउंटी मेट्रो जेल में डाल दिया गया।

ईरान के पुल-पावर प्लांट पर कब हमला करेगा यूएस: ट्रंप बोले- मुझे समयसीमा देना पसंद नहीं; तेहरान को दी सलाह

पेनसिल्वेनिया, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि वह ईरान के खिलाफ कार्रवाई से पहले कोई समयसीमा तय करना पसंद नहीं करते। ईरान के पुलों पर बमबारी का आदेश देने से पहले अंतिम चेतावनी या समयसीमा दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि तेहरान को पूरी स्थिति का पता है और उसे ठीक से व्यवहार करना होगा। पश्चिम एशिया में संघर्ष समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते के टूटने के बाद दोनों देशों के बीच फिर से हमले तेज हो गए हैं। इसी मामले को लेकर ट्रंप ने यह बयान दिया। वह पेनसिल्वेनिया डिफेंस एंड इनोवेशन समिट में हिस्सा लेने के लिए वहां पहुंचे थे। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने ईरान के भीतर नागरिक परिसंपत्तियों पर हमले शुरू करने से पहले तेहरान को कोई अंतिम समयसीमा दी थी, तो उन्होंने कहा, 'मुझे समयसीमा तय करना पसंद नहीं है, लेकिन उन्हें लगभग सब कुछ पता है। उन्हें पूरी कहानी मालूम है। उन्हें ठीक से व्यवहार करना होगा।

संपादकीय

ट्रेन की खाली बर्थ पर टीटीई की मनमानी

भारतीय रेलवे की ओर से अक्सर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मुहैया कराने की घोषणा की जाती है। मगर आए दिन ट्रेन से सफर के दौरान खासी संख्या में यात्री जिस तरह की शिकायत करते हैं, उससे साफ है कि सुविधा के प्रचार के बरक्स हकीकत अलग है। यह छिपा नहीं है कि शहरों में रोजगार या अन्य कारणों से रहने वाले लोग जब पर्व-त्योहार जैसे मौकों पर अपने घर जाना चाहते हैं, तो उनकी जरूरत के मुताबिक आरक्षित सीट या बर्थ का टिकट मिल पाना अब एक बड़ी चुनौती है। कुछ यात्री टिकट लेकर किसी तरह ट्रेन में सवार हो भी जाते हैं, तो आगे का सफर जैसे-तैसे पूरा करना एक आम स्थिति हो चुकी है।

वहीं ऐसी स्थितियां भी आम हैं, जिनमें किसी वजह से बीच में खाली रह गई या बाद में खाली हुई सीट या बर्थ वास्तविक हकदारों और जरूरतमंदों को नहीं मिल पाती हैं। कभी कोई सीट खाली होती भी है, तो ट्रेन में मौजूद टीटीई मनमर्जी से वह सीट किसी को पैसे लेकर आबंटित कर देता है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने इसी पहलू पर गौर करते हुए ट्रेन में ऐसी गड़बड़ियों के खिलाफ कड़ी टिप्पणी की और कहा कि कुछ ट्रेनों में टीटीई सब्जियों की तरह खाली बर्थ बेचते हैं। अदालत ने देश के सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि ऐसे कर्मचारियों पर मौजूद अधिकतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दरअसल, जब ट्रेन अपने गंतव्य के लिए चल पड़ती है, उसके बाद अगर किसी वजह से कोई सीट या बर्थ खाली रह जाती है, तो इसके बारे में आमतौर पर टीटीई को ही जानकारी होती है। कन्फर्म होने के नियम के मुताबिक किसी अन्य यात्री को वह सीट आबंटित कर दी जानी चाहिए।

मगर ऐसे मामले आम हैं, जिनमें टीटीई ज्यादा पैसे वसूल कर वैसे यात्रियों को भी खाली बर्थ आबंटित कर देते हैं, जो नियमों के तहत उसके पात्र नहीं होते। जिन यात्रियों को टीटीई सीट या बर्थ देता है, उसके पास अगर किन्हीं वजहों से आरक्षित टिकट नहीं है, तो हादसे, लूटपाट, चोरी या ठगी की स्थिति में कानूनी कार्रवाई में अड़चन आ सकती है। विचित्र है कि जिस आम हो चुकी समस्या पर खुद रेल महकमे या सरकार को अपनी ओर से सख्ती बरतनी चाहिए थी, व्यवस्था और नियमों में सुधार करना चाहिए था, अवैध कमाई के लिए टीटीई या अन्य कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी, वह करने की सलाह एक अदालत को देनी पड़ी।

यह जगजाहिर तथ्य है कि ट्रेन से यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में लगातार भारी बढ़ोतरी हुई है, जबकि ट्रेनों की संख्या में उस अनुपात में इजाफा नहीं हुआ है। ऐसे में ट्रेन से कहीं आने-जाने के लिए यात्रियों को आरक्षित टिकट हासिल करने में भारी मुश्किल पेश आती है। कई बार प्रतीक्षा-श्रेणी की टिकट पर खाली हुई बर्थ भी इसलिए नहीं मिल पाती, क्योंकि टीटीई अवैध तरीके से पैसे लेकर उसे किसी अन्य को आबंटित कर देता है।

समस्या केवल टिकट और सीट के मसले तक सीमित नहीं है। ट्रेन में सुरक्षित यात्रा से लेकर खानपान और अन्य सुविधाओं के मामले में भी जिस स्तर की बदइंतजामी और लापरवाही देखी जाती है, उसका खमियाजा यात्रियों को ही उठाना पड़ता है। दूसरी ओर, टिकटों की कीमत बढ़ाने से लेकर अन्य मदों में पैसे वसूलने में भारतीय रेलवे कोई संकोच नहीं करता। सवाल है कि इस तरह की अव्यवस्था और अनियमितता के रहते ट्रेन से सफर करने वाले लोगों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मुहैया कराने के आश्वासन किस आधार पर दिए जाते हैं!

खाद्य वस्तुओं के बढ़ते दामों ने बढ़ाई आम आदमी की चिंता

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ मानी जाती है, जब विकास के साथ-साथ महंगाई भी नियंत्रण में रहे। अगर आवश्यक वस्तुओं के दाम अनियंत्रित तरीके से बढ़ते जाएं, तो आम जनता की बचत कम होने से उसकी क्रय शक्ति भी घट जाती है। इससे निवेश और बाजार की मांग प्रभावित होती है, जिसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यानी कीमतों में स्थिरता के बिना लंबे समय तक समावेशी और संतुलित विकास हासिल नहीं किया जा सकता। देश में महंगाई के मोर्चे पर जो तस्वीर सामने आ रही है, वह इसी स्थिति की ओर इशारा करती है। सरकार की ओर से बीते सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं के

दामों में लगातार बढ़ोतरी से जून में खुदरा महंगाई बढ़कर 4.38 फीसद पर पहुंच गई, जबकि मई में यह 3.93 फीसद थी। हालांकि, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई दर को चार फीसद तक सीमित रखने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन मौजूदा आंकड़ा इससे आगे निकल गया है। सरकार की ओर से अक्सर यह दावा किया जाता है कि महंगाई नियंत्रण में है और आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच में हैं। मगर, वर्तमान परिस्थितियों में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या महंगाई को नियंत्रित करने की सरकार की नीतियां कारगर साबित नहीं हो पा रही हैं या फिर कीमतों को काबू करने की डोर को जान-बूझकर ढीला छोड़ देने की कोशिश की जा रही है? खाद्य महंगाई का मई में 4.78 फीसद से बढ़कर जून में 5.32 फीसद पर पहुंच जाना वास्तव में चिंताजनक है। जब आरबीआई ने खुद महंगाई को चार फीसद के आसपास रखने का लक्ष्य निर्धारित किया है, तो फिर क्या वजह है कि यह आंकड़ा तेजी से ऊपर की ओर जा रहा है। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन इसका खमियाजा आम आदमी को अपनी जरूरतों और खर्च में कटौती के रूप में भुगतना पड़ रहा है। सरकार को इस बात पर गंभीरता से गौर करना चाहिए कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार समाज के उस कमजोर तबके पर पड़ती है, जो दिनभर कड़ी मेहनत के बावजूद बमुश्किल अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को पूरा कर पाता है

आज का कार्टून

अल-नीनो की दस्तक से बढ़ी चिंता...

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत अल-नीनो के प्रभाव से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है? सरकार का दावा है कि देश में ऐसी किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए हरसंभव उपाय किए जा रहे हैं। अल-नीनो के प्रभावों को कम करने के लिए सरकार ने देश के 240 से अधिक संवेदनशील जिलों के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं। कहने के लिए बढ़ती महंगाई को रोकने के वास्ते सरकार के पास 43 लाख टन दालों का बफर स्टॉक मौजूद है। मगर जमीनी हकीकत यह है कि सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं की महंगाई बेकाबू हो चुकी है। देश में आपदा प्रबंधन की हालत खस्ता है। इसका ढांचा आज भी आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक ही सीमित रहता है, जबकि जोखिम न्यूनीकरण पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है। व्यवस्था का हाल यह है कि जिला और स्थानीय निकायों के पास आपातकालीन योजनाओं को लागू करने के लिए पर्याप्त धन, तकनीकी क्षमता और स्वायत्तता का अभाव साफ नजर आता है।

पुष्परंजन

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस बार देश में मानसून कमजोर रहेगा। इसका प्रमुख कारण अल-नीनो का प्रभाव बताया जा रहा है। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, यह स्थिति वर्ष 1876-78 की उस घटना जैसी हो सकती है, जब दुनिया के कई हिस्सों में सूखे और अकाल की वजह से बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो गई थी। अल-नीनो हर दो से सात साल के अंतराल में आता है और लगभग नौ से बारह महीने तक सक्रिय रहता है। इसके प्रभाव से दुनिया के एक हिस्से में भयंकर सूखा पड़ सकता है, तो दूसरे हिस्से में अत्यधिक बारिश और बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है।

अल-नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जिसमें समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से काफी अधिक गर्म हो जाता है। इस बदलाव के कारण हवाओं का रुख और वायुमंडलीय दबाव का संतुलन गड़बड़ा जाता है, जिससे पूरी दुनिया में मौसम का चक्र प्रभावित होता है। अल-नीनो का सीधा असर भारतीय मानसून पर पड़ता है। जब यह सक्रिय होता है, तो भारत में मानसूनी हवाएं कमजोर पड़ जाती हैं। इसके परिणामस्वरूप देश के कई हिस्सों में सामान्य से कम बारिश होती है, जिससे सूखे जैसे हालात पैदा होने की आशंका बढ़ जाती है।

अल-नीनो स्पेनिश भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है 'छोटा बच्चा'। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू और इक्वाडोर के मछुआरों ने सबसे पहले लगभग 400 साल पहले इस घटना को देखा था। पिछले माह विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि जून और अगस्त के बीच भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में अल-नीनो की स्थिति बनने की संभावना 80 फीसद है और इसके कम से कम नवंबर तक बने रहने की आशंका है। इससे पहले अमेरिकी नेशनल ओशियैनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन ने मई और जुलाई के बीच अल-नीनो के उभरने की संभावना 82 फीसद बताई थी और अनुमान लगाया था कि इसके 2026-27 की सर्दियों (उत्तरी गोलार्ध में) तक सक्रिय रहने की संभावना 96 फीसद है।

अल-नीनो का संबंध आमतौर पर दुनिया भर में बढ़ते तापमान, कई इलाकों में औसत से कम बारिश, कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा बारिश और मौसम की चरम स्थितियों की संभावना से जोड़ा जाता है। हालांकि, अल-नीनो की कोई भी दो घटनाएं एक जैसी नहीं होतीं। इसका असर उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र के गर्म होने की प्रक्रिया के स्वरूप, वायुमंडल की स्थिति और प्राकृतिक जलवायु परिवर्तनशीलता पर निर्भर करता है।

इस वर्ष संभावित अल-नीनो और पिछली घटनाओं (खासकर 1876-78 वाली घटना) के बीच मुख्य अंतर वह माहौल है, जिसमें यह घटना होगी। मानवीय गतिविधियों की वजह से हो रहे जलवायु परिवर्तन ने समुद्र और वायुमंडल दोनों को गर्म कर दिया है। यूरोपीय संघ की कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, धरती अब 1850-1900 की औद्योगिक क्रांति से पहले के समय की तुलना में लगभग 1.4 डिग्री अधिक गर्म है। इससे अल-नीनो के प्रभाव और भी बढ़ सकते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया एग्रीकल्चर एंड नेचुरल रिसोर्सेज में इंस्टीट्यूट फॉर वाटर रिसोर्सेज के मौसम विज्ञानी डैनियल स्वैन ने पिछले हफ्ते कहा था कि गर्मी के आखिर तक बनने वाले अल-नीनो के बहुत मजबूत होने की संभावना अधिक है।

सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि अल-नीनो का प्रभाव पूर्वी अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों में बाढ़, बीमारी और सूखे का खतरा पैदा कर सकता है। इसका

कमज़ोर मानसून

असर समाज के कमजोर तबके पर सबसे ज्यादा पड़ेगा। इंटरनेशनल रेस्क्यू कमेटी के मुताबिक, केन्या, युगांडा, सोमालिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान उन देशों में शामिल हैं, जिन्हें अल-नीनो के प्रभाव से सबसे अधिक खतरा है। इनमें से कुछ देश पहले से ही चल रहे मानवीय संकटों से जूझ रहे हैं।

अल-नीनो का असर दुनिया भर में महसूस किया जाता है, जिससे अक्सर कुछ इलाकों में भारी बारिश, तो कुछ में कम बारिश होती है। पूर्वी अफ्रीका में इस घटना का मतलब आमतौर पर साल के बीच में सूखा पड़ना और उसके बाद अक्तूबर से दिसंबर तक बहुत ज्यादा बारिश होना है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि इस साल हिंद महासागर में गर्मी बढ़ने की प्रक्रिया से संबंधित एक हलचल की वजह से यह असर और तीव्र हो सकता है।

सोमालिया में इस साल भारी बारिश के कारण राजधानी मोगादिशु के कुछ हिस्सों में बार-बार बाढ़ आ चुकी है। अमेरिका की ओर से वित्तपोषित पूर्व चेतावनी संस्था एफईडब्ल्यूएस नेट (स्नश्वङ्कस्ह्रश्वञ्ज) ने अनुमान जताया है कि अगर इस साल के आखिर तक बाढ़ की स्थिति वैसी ही रही, जैसी 1997 या 2023 में बनी थी, तो बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हो सकता है। उस दौरान लाखों लोग बेघर हो गए थे।

बांग्लादेश में जुलाई की शुरुआत से भूस्खलन और बाढ़ के कारण कई लोगों की मौत हो चुकी है और दस हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। पाकिस्तान भी सूखे और बाढ़ जैसी दोहरी स्थिति का सामना कर रहा है, वहां औसत से कम बारिश होने का अनुमान है। जबकि उत्तरी पहाड़ों में हिमनदों के पिघलने से अचानक बाढ़ आने का खतरा भी बना हुआ है। विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि अगर अल-नीनो पूरी तरह से विकसित होता है, तो चावल की पैदावार में पांच फीसद तक की कमी आ सकती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत अल-नीनो के प्रभाव से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है? सरकार का दावा है कि देश में ऐसी किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए हरसंभव उपाय किए जा रहे हैं। अल-नीनो के प्रभावों को कम करने के लिए सरकार ने देश के 240 से अधिक संवेदनशील जिलों के लिए आकस्मिक योजनाएं तैयार की हैं। कहने के लिए बढ़ती महंगाई को रोकने के वास्ते सरकार के पास 43 लाख टन दालों का बफर स्टॉक मौजूद है। मगर जमीनी हकीकत यह है कि सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं की महंगाई बेकाबू हो चुकी है। देश में आपदा प्रबंधन की हालत खस्ता है। इसका ढांचा आज भी आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक ही सीमित रहता है, जबकि जोखिम न्यूनीकरण पर बहुत कम ध्यान दिया जाता है।

व्यवस्था का हाल यह है कि जिला और स्थानीय निकायों के पास आपातकालीन योजनाओं को लागू करने के लिए पर्याप्त धन, तकनीकी क्षमता और स्वायत्तता का अभाव साफ नजर आता है। जल निकासी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक में कुछ घंटों की तेज बारिश से कई इलाके जलमग्न हो जाते हैं। ऐसे में अगर अल-नीनो के प्रभाव की वजह से भारी बारिश का दौर शुरू हो जाए, तो स्थिति किस तरह की होगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। अगर सूखे की स्थिति पैदा हो जाए, तो महंगाई आसमान छूने लगेगी। इन तमाम समस्याओं को तभी दुरुस्त किया जा सकता है, जब सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम करे और प्रशासनिक व्यवस्था में व्याप्त खामियों को दूर करने में गंभीरता दिखाए।

कुरैशी की पुस्तक से उठा सवाल...

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी की आने वाली पुस्तक ने देश की राजनीति में जोरदार हलचल मचा दी है। सबसे सनसनीखेज खुलासा उस घटना का है, जब वर्ष 2012 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने उनसे कथित तौर पर कहा, 'यदि आप ऐसा सोचते हैं तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।' यह टिप्पणी उस समय सामने आई, जब कुरैशी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री से शिकायत की थी कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ मंत्री और नेता चुनाव आयोग की संवैधानिक गरिमा पर लगातार चोट कर रहे हैं। कुरैशी ने इस पूरे घटनाक्रम को अपनी पुस्तक के उस अध्याय में दर्ज किया है, जिसका शीर्षक है, 'वह दिन जब प्रधानमंत्री ने अकल्पनीय बात कह दी।

नीरज कुमार दुबे

कुरैशी के अनुसार यह पूरा विवाद उस समय चल रहे उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान शुरू हुआ था। उस समय तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने चुनाव प्रचार के दौरान मुसलमानों के लिए नौकरियों में आरक्षण साढ़े चार प्रतिशत से बढ़ाकर नौ प्रतिशत करने का वादा किया था। भारतीय जनता पार्टी ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए चुनाव आयोग से शिकायत की। आयोग ने चार दिन तक दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सलमान खुर्शीद को फटकार लगाई। चुनाव आयोग के पास यही सबसे कड़ी कार्रवाई उपलब्ध थी। इसके बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने चुनाव आयोग को घमंडी और मनमाना तक कहना शुरू कर दिया। कुरैशी लिखते हैं कि आलोचना से उन्हें कभी परेशानी नहीं हुई, लेकिन जब संवैधानिक संस्था की साख पर चोट पहुंचाने की कोशिश हुई तो उन्होंने इसे गंभीरता से लिया। कुरैशी के अनुसार उन्होंने अपनी पीड़ा प्रधानमंत्री के तत्कालीन प्रेस सलाहकार हरीश खरे के सामने रखी। अगले ही दिन प्रधानमंत्री कार्यालय से तत्काल बुलावा आया। शाम को हुई मुलाकात में मनमोहन सिंह बेहद व्यथित नजर आए। कुरैशी के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा, 'यदि आपको ऐसा लगता है तो मैं आत्महत्या कर लूंगा।' यह सुनकर वह खुद भी स्तब्ध रह गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी शिकायत प्रधानमंत्री से नहीं, बल्कि कुछ मंत्रियों के व्यवहार से थी। इसके बाद मनमोहन सिंह ने कथित तौर पर कहा कि उन्हें इस तरह की टिप्पणियों की कोई जानकारी नहीं थी। यदि पहले पता होता तो वह संबंधित मंत्रियों को कड़ी फटकार लगाते। उन्होंने यह भी कहा कि आगे कभी ऐसी कोई बात हो तो सीधे उन्हें बताई जाए। कुरैशी के अनुसार मनमोहन सिंह ने चुनाव आयोग को भारत के लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए कहा कि यदि यह संस्था कमजोर हुई तो सब कुछ कमजोर हो जाएगा। कुरैशी का दावा है कि इस मुलाकात के बाद चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेताओं की बयानबाजी थम गई। हालांकि यहां एक सवाल यह उठता है कि क्या तत्कालीन कांग्रेसी मंत्री मनमोहन सिंह को आत्महत्या जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर कर रहे थे? साथ ही पुस्तक में कुरैशी ने एक और चौंकाने वाली बात कही है। उनका कहना है कि सरकार का हाथ हमेशा लंबा होता है, जबकि विपक्ष को सहारे की जरूरत पड़ती है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अपने कार्यकाल के दौरान उनके उदार रवैये का लाभ भारतीय जनता पार्टी को मिला। यह टिप्पणी सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में नई बहस शुरू हो गई है कि आखिर पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त किस संदर्भ में यह बात कह रहे थे और इसका वास्तविक अर्थ क्या है। उधर, कुरैशी की पुस्तक के इन खुलासों पर भारतीय जनता पार्टी

ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना कांग्रेस की पुरानी राजनीतिक रणनीति रही है। उन्होंने कहा कि जब संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार सत्ता में थी, तब भी उसके मंत्री आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर चुनाव आयोग के खिलाफ बयान देते थे और आज विपक्ष में बैठकर भी कांग्रेस चुनावी नतीजे मनमाफिक नहीं आने पर आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती है। अमित मालवीय ने यह भी कहा कि कुरैशी के खुलासे से साफ है कि स्वयं मनमोहन सिंह अपने मंत्रियों की टिप्पणियों से दुखी थे और उन्हें अपने सहयोगियों पर नियंत्रण नहीं था।

दूसरी ओर कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के हमलों को पुरानी घटना के सहारे ध्यान भटकाने की कोशिश बताया। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने कहा कि चुनिंदा घटनाओं और सुनी सुनाई बातों के आधार पर आज उठ रहे गंभीर सवालों को दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता, निर्णय लेने की व्यवस्था और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर जनता के भरोसे को लेकर उठाए जाने वाले सवाल किसी संस्था पर हमला नहीं, बल्कि स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस हमेशा चुनाव आयोग को संविधान के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक मानती रही है और जहां जरूरी हो वहां जवाबदेही मांगना लोकतांत्रिक अधिकार है।

देखा जाये तो कुरैशी की पुस्तक केवल इस एक विवाद तक सीमित नहीं है। उन्होंने अपने लंबे प्रशासनिक जीवन के सौ महत्वपूर्ण प्रसंग इसमें शामिल किए हैं। वह लिखते हैं कि उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव का पद इसलिए स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उन्हें डर था कि एक मुसलमान होने के कारण उनकी योग्यता से अधिक उनके धर्म की चर्चा होगी। उनका दावा है कि बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह तक कह दिया था कि वहां पहले से एक मुसलमान मौजूद है। पुस्तक में यह भी उल्लेख है कि पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री को मादक पदार्थों के चुनावी इस्तेमाल को लेकर आगाह किया था, लेकिन इस पर गंभीर ध्यान कई वर्ष बाद गया। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल आयोजन से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं पर भी चिंता जताने, उत्तर प्रदेश चुनाव में हाथी की मूर्तियों को ढकने के फैसले का बचाव करने और दूरदर्शन में अपनी नियुक्ति के समय सुषमा स्वराज द्वारा उनका खुलकर समर्थन किए जाने जैसी कई घटनाओं का भी विस्तार से जिक्र किया है।कुल मिलाकर कुरैशी की पुस्तक ने एक साथ कई पुराने राजनीतिक घाव फिर से खोल दिए हैं। कहीं मनमोहन सिंह की संवेदनशील छवि सामने आती है, कहीं कांग्रेस और चुनाव आयोग के बीच टकराव की कहानी दिखाई देती है, तो कहीं भारतीय जनता पार्टी इन खुलासों के सहारे कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करती नजर आती है। चुनाव आयोग, सत्ता, विपक्ष और संवैधानिक संस्थाओं के इर्द गिर्द घूमती यह कहानी आने वाले दिनों में राजनीतिक बहस का नया केंद्र बनने वाली है।

ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत ने बुडापेस्ट में जीता गोल्ड

प्लेऑफ में अजरबैजानी पहलवान को हरा दीपक ने नाम किया कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर फिर अपना दम दिखाया है। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत ने हंगरी की राजधानी में बुडापेस्ट में आयोजित पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस एंड कोजमा इस्तवान मेमोरियल 2026 रेसलिंग टूर्नामेंट में पुरुषों के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया।

अमन सहरावत ने फाइनल में जॉर्जिया के रोबेर्टी डिंगाशविली को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 13-3 से हराया। भारतीय दल के पदकों की संख्या तब बढ़ गई जब दीपक ने 61 किग्रा फ्रीस्टाइल में कड़े मुकाबले के बाद कांस्य पदक जीता। दीपक ने प्लेऑफ में अजरबैजान के नुरद्दीन नोवरुजोव को 9-8 से हराया। दीपक के अलावा विशाल कालीरमाना (पुरुष 65 किग्रा) ने भी कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों की संख्या तीन कर दी।

अप्रैल में एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने के बाद अपने पहले इंटरनेशनल टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे अमन सहरावत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अमन सहरावत पेरिस 2024 में भारत के सबसे युवा ओलंपिक मेडलिस्ट बने थे।

4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं

22 साल के अमन सहरावत ने जॉर्जिया के निकोलोज बोचोरिशविली के खिलाफ 10-0 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर जीत हासिल कर अपने अभियान की शुरुआत की। क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान के ओलंपियन मीरामबेक कार्तबे को 10-3 से हराया। सेमीफाइनल में अजरबैजान के मौजूदा यूरोपियन चैंपियन इस्लाम बाजारगानोव को 11-0 से हराया। इस तरह अमन ने 4 में से 3 जीतें तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हासिल कीं।

दीपक ने 0-8 से पिछड़ने के बाद 9-8 से जीता मुकाबला

इस बीच दीपक ने कांस्य पदक मुकाबले में अजरबैजानी पहलवान नुराद्दीन नोवरुजोव के खिलाफ 0-8 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और 9-8 से रोमांचक जीत हासिल की। इससे पहले भारतीय पहलवान क्वार्टर फाइनल में जॉर्जिया के रामिज तुर्मानिद्जे को 7-4 से हराने के बाद सेमी-फाइनल में कजाकिस्तान के असिल ऐताकिन से 2-1 से हार गए थे। विशाल कालीरमाना ने कजाकिस्तान के ओसुमजान दस्तानबेक को 8-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। वह सेमीफाइनल में ईरान के अहमद इब्राहिमजादेह से क्राइटेरिया के आधार पर हार गए थे।

राहुल क्वार्टर फाइनल में हारे, अभिमन्यु नहीं कर पाए क्वालिफाई

राहुल 57 किग्रा भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में हार गए, जबकि एशियन चैंपियन अभिमन्यु मंडवाल पुरुषों के फ्रीस्टाइल 70 किग्रा भारवर्ग के क्वालिफिकेशन राउंड में ही बाहर हो गए। एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले पहलवान सागर जगलान (74 किग्रा) और मुकुल दहिया (86 किग्रा), साथ ही अमित (86 किग्रा) अपने-अपने भार वर्ग में पोडियम फिनिश (पदक नहीं जीतना) नहीं कर पाए।

पोलार्ड अब गेल की लिस्ट में शामिल

T20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले टॉप-10 बैटर, सिर्फ एक भारतीय सूची में शामिल

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान किरोन पोलार्ड ने बेहद तेज पारी खेली और वॉशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 8 छक्के और एक चौके की मदद से 64 रन बनाए। ये उनके टी20 क्रिकेट करियर का 70वां अर्धशतक था साथ ही इन 8 छक्कों के दम पर किरोन पोलार्ड ने अब क्रिस गेल की खास लिस्ट में भी जगह बना ली।

किरोन पोलार्ड ने टी20 में पूरे किए 1000 छक्के- किरोन पोलार्ड अब टी20 प्रारूप में 1000 या उससे ज्यादा छक्के लगाने वाले दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में पहले अकेले सिर्फ क्रिस गेल ही थे, लेकिन अब पोलार्ड ने उन्हें ज्वाइन कर लिया है। क्रिस गेल ने अपने टी20 क्रिकेट करियर में खेले 463 मैचों की 455 पारियों में कुल 1056 छक्के लगाए थे। वहीं पोलार्ड की बात करें तो वो सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं और उन्होंने 746 मैचों की 663 पारियों में कुल 1001 छक्के लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आंद्र रसेल हैं जिन्होंने 600 मैचों की 517 पारियों में 792 छक्के लगाए थे। वहीं निकोलस पूरन इस लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं।

रोहित शर्मा- राहुल द्रविड़ नंबर 5

टॉप पर रहे ये दोनों; आकाश चोपड़ा ने चुनी 6 बेस्ट कप्तान-कोच की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनर बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कप्तान-कोच की बेस्ट टॉप-6 जोड़ियों का चयन किया। उन्होंने इनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग की, लेकिन पहले नंबर पर उन्होंने किसी भारतीय कोच या कप्तान की जोड़ी को नहीं रखा। हालांकि टॉप-6 में उन्होंने 3 भारतीय

जोड़ी को जरूर जगह दी। इन जोड़ियों में रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़, विराट कोहली-रवि शास्त्री, सौरव गांगुली और जॉन राइट भी शामिल हैं। आइए जानते हैं कि आकाश चोपड़ा ने किस जोड़ी को किस स्थान पर रखा।

रोहित शर्मा-राहुल द्रविड़ रहे पांचवें स्थान पर- आकाश चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर दुनिया की बेस्ट टॉप-6 कोच-कप्तान की जोड़ी के बारे में बात करते हुए बताया कि उनकी लिस्ट में छठे नंबर पर बेन स्टोक्स और ब्रैंडन मैकुलम हैं जिन्होंने बैजबॉल क्रिकेट खेली। ये मनोरंजक तो था, लेकिन इससे रिजल्ट अच्छे नहीं आ पाए। ऐसे में जब परिणाम नहीं है तो ये फिर क्या ही आपकी साझेदारी का प्रमाण है। आकाश ने नंबर 5 पर रोहित शर्मा और राहुल द्रविड़ की जोड़ी को रखा। रोहित और राहुल के बारे में आकाश ने कहा कि इनकी साझेदारी काफी अच्छी रही और इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप टाइटल भी जीता।

अर्जेंटीना फाइनल में

इंग्लैंड को 2-1 से हराया

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड मारादोना की बराबरी की

नई दिल्ली। अर्जेंटीना ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में शानदार वापसी करते हुए इंग्लैंड को 2-1 से हराया और फाइनल में जगह बनाई। अब फाइनल में उनका मुकाबला स्पेन से होगा जहां वे अपना खिताब बचाने और ऐसा करने वाली दूसरी टीम बनने की कोशिश करेंगे। अर्जेंटीना की इस जीत में लियोनेल मेसी एक बार फिर अहम भूमिका में रहे उन्होंने अपनी टीम के उन दोनों गोलों में असिस्ट किया जो एंजो फर्नांडीज और लॉटारो मार्टिनेज ने किए थे।

मेसी ने तोड़ा 68 साल पुराना रिकॉर्ड

फाइनल में पहुंचने के साथ ही मेसी ने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। 39 साल 25 दिन की उम्र में लियोनेल मेसी फीफा वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाले सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने स्वीडन के गुन्नार ग्रेन का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल 241 दिन की उम्र में इटली के खिलाफ 1958 का वर्ल्ड कप फाइनल खेला था। इस तरह मेसी 39 साल की उम्र के बाद फाइनल खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

फीफा वर्ल्ड कप फाइनल खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

प्लेयर	देश	उम्र	साल
लियोनेल मेसी	अर्जेंटीना	39 साल 25 दिन	2026
गुन्नार ग्रेन	स्वीडन	37 साल 241 दिन	1958
निल्टन सैंटोस	ब्राजील	37 साल 32 दिन	1962
ओलिवियर गिरौड	फ्रांस	36 साल 79 दिन	2022
मिरोस्लाव क्लोज	जर्मनी	36 साल 34 दिन	2014
निल्स लीडहोम	स्वीडन	35 साल 264 दिन	1958

मेसी ने की माराडोना की बराबरी

इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भी लियोनेल मेसी सबसे उम्रदराज आउटफील्ड खिलाड़ी बने और सेमीफाइनल मुकाबला खेलने वाले 39 साल से ज्यादा उम्र के पहले आउटफील्ड खिलाड़ी बने। उन्होंने वेस्ट जर्मनी के फ्रिट्ज वाल्टर का रिकॉर्ड तोड़ा जिन्होंने 37 साल और 236 दिन की उम्र में 1958 का फीफा वर्ल्ड कप सेमीफाइनल खेला था। लियोनेल मेसी डिएगो माराडोना (1986, 1990) के बाद अपनी टीम को लगातार दो फीफा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचाने वाले पहले कप्तान भी बन गए।

वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड एक साथ टूटा

- निकोलस पूरन ने ठोका तूफानी शतक, लगाए 13 छक्के 5 चौके

नई दिल्ली। एमआई न्यूयॉर्क के बल्लेबाज निकोलस पूरन ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ तूफानी शतकीय पारी खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और ऋषभ पंत का रिकॉर्ड एक साथ तोड़ दिया। पूरन ने इस मैच में अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इन तीनों दिग्गजों से टी20 क्रिकेट में कम गेंदों पर शतक लगाने के मामले में आगे निकल गए।

निकोलस पूरन ने तोड़ा वैभव, अभिषेक, पंत का रिकॉर्ड- निकोलस पूरन ने एमआई न्यूयॉर्क के लिए तीसरे नंबर पर बैटिंग करते हुए वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ अपना शतक 31 गेंदों पर पूरा किया और इस मैच में 33 गेंदों पर 106 रन की पारी खेली। पूरन ने अपनी पारी के दौरान 13 छक्के और 5 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 321.21 का रहा। पूरन की इस पारी के दम पर इस टीम ने वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ 20 ओवर में 9 विकेट पर 266 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

पीवी सिंधु ने सिर्फ 35 मिनट में दुनिया की 5वें नंबर की शटलर को हराया

क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने गुरुवार 16 जुलाई 2026 को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पीवी सिंधु ने प्री-क्वार्टर फाइनल में सीधे गेम में दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी चीन की हान यू को हराया। पीवी सिंधु की मौजूदा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग (विमेंस सिंगल्स) में 10 है।

भारतीय शटलर ने दूसरे दौर के मुकाबले में बेहतर रैंकिंग वाली चीनी खिलाड़ी के खिलाफ 21-16, 21-14 से शानदार जीत दर्ज करने में सिर्फ 35 मिनट का समय लिया। जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पीवी सिंधु को कोई वरीयता नहीं दी गई है। यह नतीजा इस सीजन में पीवी सिंधु के सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने शुरुआती चुनौती निपटते हुए चीनी खिलाड़ी पर पूरी तरह से दबदबा बना लिया।

पीवी सिंधु ने धीरे-धीरे बनाया दबदबा- शुरुआत में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि हान यू खेल की गति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन पीवी सिंधु धीरे-धीरे मैच में जम गईं।

- **अब जापानी शटलर से होगी पीवी सिंधु की भिड़ंत-** पीवी सिंधु ने अपनी सटीकता और कोर्ट कवरेज बनाए रखी और अंतत: 21-14 से जीतकर शानदार विजय हासिल की। इस जीत के साथ पीवी सिंधु ने हान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया। 31 वर्षीय पीवी सिंधु का अगला मुकाबला जापान की नोजोमी ओकुहारा से होगा। नोजोमी ओकुहारा को साउथ कोरिया की टॉप सीड एन से-यंग के दूसरे दौर के मैच से हटने के बाद वॉकओवर मिला। टूर्नामेंट अन्य भारतीय शटलरों की बात करें तो मिक्स्ड डबल्स में तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने राउंड ऑफ 32 मुकाबले में स्कॉटलैंड की जूली मैकफर्सन और एलेक्जेंडर डन को सिर्फ 38 मिनट में 21-16, 21-14 से हराया था। राउंड ऑफ 16 में तनीषा और ध्रुव का चीन की हुआंग डोंग पिंग और फेंग यान झी से मुकाबला हुआ।

स्मिथ-गौस के शतक से जीता वाशिंगटन फ्रीडम

टूटा पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड; पूरन-पोलार्ड की पारी बेकार, MI न्यूयॉर्क बाहर

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 का एलिमिनेटर मुकाबला वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने कप्तान स्टीव स्मिथ और एंड्रिस गौस की शतकीय पारी के दम पर एमआई न्यूयॉर्क को 6 विकेट से हरा दिया और चैलेंजर राउंड में जगह बना ली जहां उसका मुकाबला सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स से होगा।

इस मैच में जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंच जाएगी। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टी20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया और पंजाब किंग्स का रिकॉर्ड टूट गया। वाशिंगटन फ्रीडम और एमआई न्यूयॉर्क के बीच खेला गया काफी रोमांचक और हाई स्कोरिंग रहा। इस मैच में वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

स्टीव स्मिथ और गौस ने लगाए शतक

वाशिंगटन फ्रीडम को जीत के लिए 267 रन का टारगेट मिला था जो काफी मुश्किल था, लेकिन इस टीम के लिए कप्तान स्टीव स्मिथ ने 48 गेंदों पर 9 छक्के और 7 चौकों के साथ नाबाद 110 रन की पारी खेली। स्मिथ ने अपना शतक इस दौरान 40 गेंदों पर पूरा किया। वहीं एंड्रिस गौस ने 12 छक्के और 10 चौकों की मदद से 51 गेंदों पर 132 रन की पारी खेलकर टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। स्मिथ और गौस के बीच तीसरे विकेट के लिए 89 गेंदों पर 241 रन की साझेदारी भी हुई। एमआई न्यूयॉर्क के लिए शाकिब अल हसन ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

लक्ष्य ने श्रीलंका के खिलाफ लगाया दोहरा शतक

295 रन की साझेदारी कर तोड़ा 29 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली। श्रीलंका अंडर 19 टीम के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट मैच की पहली पारी में इंडिया अंडर 19 टीम के ओपनर बल्लेबाज लक्ष्य राजेश रायचंदानी ने गजब का पारी खेली और दोहरा शतक लगाया। उन्होंने पहली पारी में सागर विर्क के साथ पहले विकेट के लिए 295 रन की साझेदारी की और 29 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा जो यूथ टेस्ट में जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों ने बनाए थे। हालांकि लक्ष्य और सागर, गौतम गंभीर और विनायक माने से आगे नहीं निकल पाए।

लक्ष्य ने लगाया दोहरा शतक- लक्ष्य ने इस मैच में गजब की पारी खेली और इंडिया अंडर 19 की पारी को संभालने का काम किया। उन्होंने अपना शतक पहली पारी में 148 गेंदों पर चौका लगाकर पूरा किया जबकि उन्होंने अपना दोहरा शतक 310 गेंदों पर लगाया। हालांकि दोहरा शतक पूरा करने के बाद वो ज्यादा देर तक क्रीज पर टिक नहीं पाए और आउट हो गए। पहली पारी में उन्होंने 324 गेंदों पर 207 रन बनाए और इस दौरान उनके बल्ले से 3 छक्के और 22 चौके भी

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670